राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 278
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 01 सितंबर 2025
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नाबालिग लड़की से रेप करने वाले को आजीवन कारावास
पेज 4 चौथे दिन भी बारिश का कहर रहा जारी : पीलीभीत में
पेज 6 अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी!

संक्षिप्त खबरें

राजस्थान में जबरन धर्मांतरण कराने पर उम्रकैद

जयपुर। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल कैबिनेट ने राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी है। बिल के नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन पर उम्रकैद तक की सजा सहित कड़े प्रावधान किए गए हैं। नए बिल में घर वापसी को धर्म परिवर्तन नहीं माना है। मूल पैतृक धर्म में वापसी को धर्म परिवर्तन की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। सरकार सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है। इसके साथ ही कैबिनेट ने पीएम सूर्य घर150 यूनिट निशुल्क (फ्री) बिजली योजना को भी मंजूरी दी।

असम राइफल्स का मिजोरम के चम्फाई में छापा, हथियार, गोला-बारूद व ग्रेनेड समेत जखीरा जब्त

चम्फाई। असम राइफल्स ने चम्फाई जिले के सैकुम्फाई गांव और उसके आसपास तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार जब्त किए। तलाशी अभियान के दौरान टीम ने घर से एक 12 बोर राइफल, एक पिस्तौल, गोला-बारूद और विस्फोटक, ग्रेनेड और जंग लड़ने सरीखा असलहा जब्त किया। खुफिया जानकारी के आधार पर टीम ने घर के पास के जंगल में छिपे हुए भंडार का पता लगाया, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य युद्ध संबंधी सामान थे।

हैप्पी मॉर्निंग

चंपक- पापा मैं एक लड़की को पसंद करता हूं और मैं उसी से शादी करना चाहता हूं। पापा- अच्छा एक बात बता, क्या वो भी तुझे पसंद करती है?
संजू- संजू खुश होते हुए, हीहीही, हां जी हां पापा- जिस लड़की की पसंद ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

शायरी

मुंसिफ़ अगर बना है तो सब को गवारा रख
इंसाफ़ है तो मेरा फटा पैरहन भी ला

अर्थसार

सेंसेक्स:
79,809.65
-270.92 (0.34%)
निफ्टी:
24,426.85
-74.05

मौसम

अधिकतम : 28 डिग्री से0
न्यूनतम : 25 डिग्री से0
सूर्योदय मंगलवार : 6 : 01
सूर्यास्त सोमवार : 6 : 47

बारीश -बाढ़ का कहर जारी

- उत्तराखंड- पावर प्रोजेक्ट टनल में फंसे 19 कर्मचारियों का रेस्क्यू
- राजस्थान में किले की दीवार ढही; पंजाब में दीवार गिरने से शख्स दबा, मौत

पठानकोट/देहरादून/दिल्ली/मुंबई। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 19 कर्मचारियों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शनिवार को लैंडस्लाइड के चलते टनल का रास्ता बंद हो गया था।

उधर पंजाब के आठ जिलों के 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है

पंजाब में मानसा के जवाहरके गांव में बारिश के कारण ईंट भट्ठे के गोदाम की दीवार गिर गई। इसके नीचे दबकर साइकिल सवार किसान की मौत हो गई। राजस्थान के हनुमानगढ़ में स्थित भटनेर दुर्ग की दीवार बारिश की वजह से ढह गई।

उधर आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने रविवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सितंबर में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

अगले महीने राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर में सामान्य (167.9 मिमी) से ज्यादा बारिश होगी।

यूपी : फर्रुखाबाद में सड़क बही, ग्रामीओं ने अस्थाई पुल बनाया

फर्रुखाबाद में गंगा नदी उफान पर है। 50 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। भुढ़िया भेड़ा में सड़क बाढ़ में बह गई। इसके बाद ग्रामीण नाव से आवागमन कर रहे थे, लेकिन तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही थीं। अब ग्रामीणों ने यूकेलिप्टस (सफेदा) के पेड़ डालकर अस्थायी पुल बनाया है।

पंजाब : बाढ़ का कहर जारी, ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा

पंजाब में इस समय सतलुज, ब्यास और रावी नदियां अपने उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश के चलते नदियों में बाढ़ का पानी बढ़ा है। इससे स्थिति और बिगड़ रही है।

कपूरथला कमिश्नर अमित कुमार पंचाल ने बताया कि तेज बारिश के

कारण ब्यास नदी का जलस्तर बढ़कर 2.35 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों में रहने वाले लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

राजस्थान : जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

राजस्थान के 26 जिलों मे तेज बारिश का यलो अलर्ट है। सिरोही, पाली और जालोर में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

इससे पहले शनिवार देर रात जयपुर शहर करीब एक घंटे तक तेज बरसात हुई। इससे शहर ही सड़कें एक बार फिर लबालब हो गईं। सीकर में भी रात 11 बजे बाद तेज बारिश हुई।

हिमाचल : शिमला के विकासनगर में लैंडस्लाइड में दबी गाड़ियां

वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से घट रहा है। लेकिन, जहां से जलस्तर घट रहा है, वहां अब गंदगी देखने को मिल रही है। 3 च्छ प्रति घंटे की रफ्तार से पानी कम हो रहा है। मौजूदा समय में गंगा का जलस्तर 70 मीटर है। ये चेतावनी बिंदु से 26च्छ नीचे है। काशी के गंगा घाट आने वाले पर्यटक निराश होकर लौट रहे।

अफगानिस्तान से लेकर दिल्ली तक कांपी धरती

नई दिल्ली। रविवार की देर रात भूकंप के झटके महसूस होने से लोग सहम गए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में ये झटके महसूस हुए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से तकरीबन 23 किलोमीटर दूर था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6 मापी गई है। भारत में दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और आस-पास के इलाकों झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए।

विरोध प्रदर्शन

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (फेस्टा) के सदस्य नई दिल्ली के सदर बाजार स्थित कुतुब रोड चौक पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन बोला- महिला जजों की संख्या बेहद कम

उत्तराखंड-त्रिपुरा समेत 4 हाईकोर्ट में एक भी नहीं; प्रस्ताव पारित कर इसे चिंताजनक बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने शनिवार को एक प्रस्ताव पास कर देश की अदालतों में महिलाओं की बेहद कम मौजूदगी पर गंभीर चिंता जताई। एसोसिएशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स में महिला जजों का प्रतिनिधित्व बेहद असमान और चिंताजनक है। बार एसोसिएशन के मुताबिक, देशभर में हाईकोर्ट्स के करीब 1,100 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से लगभग 670 पर पुरुष

जज हैं, जबकि केवल 103 पदों पर ही महिलाएं हैं। उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर हाईकोर्ट्स में तो एक भी महिला जज नहीं है। इसको लेकर एसोसिएशन ने अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और सचिव प्रिया बघेल की अगुआई में प्रस्ताव भी पारित किया। यह कदम जस्टिस आलोक अराधे और विपुल एम पंचोली ने सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में शपथ लेने के 1 दिन बाद आया है। इससे पहले 26 अगस्त को जस्टिस पंचोली की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की इकलौती महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने भी असहमति दर्ज की थी।

गणेश विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, चार लोगों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

गोदावरी। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुरम मंडल में रविवार को गणेश शोभयात्रा के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से एक नाबालिग समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर ट्रॉली में रखी गणेश प्रतिमाएं स्थानीय लोगों की थीं।

अधिकारी ने मीडिया को बताया, नरसापुरम मंडल में गणेश शोभायात्रा के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से

एक नाबालिग समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

जामनगर में भी मूर्ति विसर्जन के दौरान पिता और दो बेटों की डूबने से मौत

वहीं गुजरात के जामनगर शहर में रविवार को भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के दौरान 36 वर्षीय पिता और उनके दो बेटों की झील में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामेश्वर नगर निवासी प्रीतेश रावल, उनके बेटे संजय (16) और अंश (4) दोपहर में डूब गए।

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस अब पूरी तरह से सस्पेंड

8700 तक के डॉक्यूमेंट-गिफ्ट की बुकिंग पर भी रोक लगी, अमेरिकी टैरिफ की वजह से फैसला

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी।

विभाग ने रविवार को कहा कि जब

तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी। डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। हम हालात पर नजर रखे हुए है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

पहले 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे

एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होने के बाद 29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी पड़ रही है। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो। हालांकि, अभी भी 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले लेटर, डॉक्यूमेंट और गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी, लेकिन नियम इसके लिए भी स्पष्ट नहीं है। इसके चलते एयरलाइंस इन्हें भी नहीं ले जा रही है।

वहीं, 29 अगस्त से पहले 800 डॉलर यानी करीब 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे।

सीबीआई से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के केस अदालतों में पेंडिंग

इनमें से 2,660 मामले 10 साल और 379 मामले 20 साल से ज्यादा पुराने

नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की नवीनतम सालाना रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। चिंता का विषय यह है कि कुल लंबित मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 379 मामले 20 साल से भी अधिक समय से अटके हुए हैं, जबकि 2,281 मामले 10 से 20

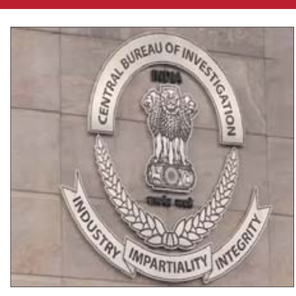

साल के बीच से लंबित हैं। 31 दिसंबर 2024 तक 1,506 मामले 3 साल से कम समय से, 791 मामले 3 से 5 साल के बीच और 2,115 मामले 5 से 10 साल के बीच लंबित थे।

सीबीआई और आरोपियों की 13,100 अपीलें तथा संशोधन याचिकाएं हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इनमें 606 अपीलें 20 साल से ज्यादा समय से और 1,227 अपीलें 15 से 20 वर्ष के बीच से लंबित हैं।

> **2024 में दोषसिद्धि 69 प्रतिशत, 2023 के मुकाबले 2 प्रतिशत कम**
>
> 2024 में कुल 644 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें 392 मामलों में दोषसिद्धि, 154 में दोषमुक्ति, 21 में आरोपी बरी हुए और 77 मामलों का अन्य कारणों से निपटारा किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में दोषसिद्धि दर 69.14 प्रतिशत रही, जबकि 2023 में यह 71.47 प्रतिशत थी।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या, अब तक 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में सेवादार योगेंद्र सिंह की हत्या मामले में अब तक 5 आरोपियों की गिरफ्तार हो गई है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को 4 आरोपियों गलकाबाद निवासी मोहन उर्फ भूरा (19) और कुलदीप बिधुरी (20) के साथ ही अनिल कुमार (55) और उसके बेटे नितिन पांडे (26) को गिरफ्तार किया गया

है। इससे पहले दक्षिणपुरी निवासी और मूल रूप से गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) रहने वाले अतुल पांडे को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इस्तीफा मांगा है।

आप की नेता व विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने शनिवार को मामले को लेकर दिल्ली सीएम को लेटर भी लिखकर इस्तीफा देने की मांग की है।

पंजाब में आतंकी संगठन बीकेआई के दो गुर्गे गिरफ्तार

हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद, सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले की योजना नाकाम

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए रविवार को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। काउंटर इंटेलिजेंस पठानकोट, लुधियाना और राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ अमृतसर की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आतंकियों की पहचान गुरदासपुर के मल्हियां गांव निवासी सरवन कुमार और जक्करिया निवासी बलविंदर सिंह के रूप में हुई है। दोनों के पास से एक आर्गेस हैंड ग्रेनेड और .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल समेत तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी विदेश में बैठे बीकेआई समर्थित आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे। एक बिचौलिए ने इन्हें आकाओं से जोड़ा था। इससे पहले पठानकोट पुलिस ने इसी नेटवर्क के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। इनमें दो किशोर भी शामिल थे। इनके पास से दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल बरामद की गई थीं। पुलिस ने एक टारगेट किलिंग को भी नाकाम किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

चुनाव आयोग

30 सितंबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

बिहार में एसआईआर के बाद चुनाव आयोग जारी करेगा नया वोटर कार्ड

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची को लेकर चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण के बाद जिन मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में दर्ज होंगे, उन सभी को चुनाव अब एक नया वोटर कार्ड जारी करेगी।

चुनाव आयोग ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि इस पर अंतिम फैसला अंतिम मतदाता सूची के सामने आने और उनमें मतदाताओं की ओर से मुहैया कराए गए फोटो की स्थिति को देखते के बाद लिया जाएगा।

आयोग के मुताबिक अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर को होगा। इस बीच एसआइआर के तहत

तैयार की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियों को लेकर दी गई समयसीमा एक सितंबर यानी सोमवार को पांच बजे तक खत्म हो रही है।

इससे पूर्व आयोग ने एक अगस्त से 31 अगस्त सुबह दस बजे तक मिली दावे-आपत्तियों को लेकर जो ब्योरा जारी किया है, उनमें ड्राफ्ट सूची में नाम जुड़वाने की जगह सूची से नाम हटाने के लिए सबसे अधिक आपत्तियां की गई है।

चौंकाने वाली बात आई सामने

चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें राजनीतिक दल भी शामिल है। आयोग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक 31 अगस्त सुबह दस बजे तक राजनीतिक दलों में से सीपीआइ (एमएल) व आरजेडी ने कुल 128 आपत्ति दर्ज कराई है। इनमें 103 आपत्तियां नाम हटाने के लिए दर्ज कराई गई है, जबकि नाम जोड़ने के लिए सिर्फ 25 आपत्तियां ही दी गई है। वहीं निर्वाचकों की ओर से करीब 2.40 लाख आपत्तियां दर्ज कराई गई है, इनमें 2.07 लाख आपत्तियां नाम हटाने के लिए है जबकि नाम जोड़ने के सिर्फ 33 हजार ही की गई है। इनमें से चुनाव आयोग ने 38 हजार आपत्तियों को निस्तारण भी कर दिया है।

आयोग के मुताबिक बिहार में नए मतदाता बनने के लिए भी मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। अब तक करीब 15.32 लाख लोगों ने पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन किया है।

81 हजार आवेदन निस्तारित

इनमें अधिकांश अक्टूबर 2025 तक 18 साल की उम्र पूरी करने वाले है। इनमें से भी 81 हजार आवेदनों को आयोग ने निस्तारित कर दिया है। गौरतलब है कि आयोग ने एसआइआर शुरू होने के साथ ही मतदाताओं को नए वोटर कार्ड देने की योजना बनाई थी।

संपादकीय

हर आपदा के बाद ही क्यों अलर्ट होता है अमला?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत एक ऐसा देश है जहां प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़, भूकंप, चक्रवात, और सूखा बार-बार आते हैं। इसके बावजूद, हर बार आपदा के बाद ही प्रशासन और संबंधित विभागों में हड़कंप मचता है। सवाल यह उठता है कि हर आपदा के बाद ही क्यों हमारा प्रशासनिक अमला अलर्ट होता है? क्या पहले से तैयारी और निवारक उपायों पर ध्यान नहीं दिया जा सकता? यह लेख इस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालता है और उन कारणों की पड़ताल करता है जो बार-बार इस स्थिति को जन्म देते हैं।

आपदा प्रबंधन में देरी के कारण

भारत में आपदा प्रबंधन की कमी का एक प्रमुख कारण है पूर्व-तैयारी का अभाव। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जैसे संस्थान मौजूद हैं, लेकिन इनकी कार्यप्रणाली अक्सर आपदा के बाद ही सक्रिय होती है। आपदा से पहले जोखिम विश्लेषण, बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण, और जन जागरूकता जैसे कदमों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। उदाहरण के लिए, बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में नदियों का ड्रेजिंग, बांधों की मरम्मत, और बस्तियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने जैसे कार्य समय पर नहीं होते।

संसाधनों और समन्वय की कमी

आपदा प्रबंधन में संसाधनों की कमी और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच तालमेल की कमी के कारण राहत कार्यों में देरी होती है। कई बार, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उपकरण, प्रशिक्षित कर्मचारी, और धन की कमी देखी जाती है। इसके अलावा, केंद्रीय और राज्य सरकारों के बीच नीतिगत मतभेद भी त्वरित कार्रवाई में बाधा डालते हैं।

जन जागरूकता और शिक्षा का अभाव

आपदा प्रबंधन में जनता की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत में ज्यादातर लोग आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित नहीं हैं। स्कूलों और कॉलेजों में आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की जरूरत है, ताकि लोग भूकंप, बाढ़, या आगजनी जैसी स्थितियों में तुरंत उचित कदम उठा सकें। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, क्योंकि वहां सूचना का प्रसार कम होता है।

तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी

आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मौसम की सटीक भविष्यवाणी, भूकंप की चेतावनी प्रणाली, और ड्रोन जैसे उपकरणों का उपयोग आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है। हालांकि, भारत में इन तकनीकों का उपयोग अभी भी सीमित है। कई बार, मौसम विभाग की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता, जिसके परिणामस्वरूप नुकसान बढ़ जाता है।

नीतिगत सुधार और भविष्य की राह

आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक उपायों की जरूरत है। सबसे पहले, सरकार को आपदा प्रबंधन के लिए एक मजबूत नीति बनानी होगी, जिसमें जोखिम क्षेत्रों की पहचान, बुनियादी ढांचे का विकास, और आपदा राहत कोष का उचित उपयोग शामिल हो। दूसरा, स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन में शामिल करना होगा। तीसरा, तकनीकी और वैज्ञानिक संसाधनों का उपयोग बढ़ाना होगा।

निष्कर्ष

हर आपदा के बाद प्रशासन का अलर्ट होना एक पुरानी और चिंताजनक प्रवृत्ति है। यह समय है कि हम प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण को छोड़कर निवारक और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएं। आपदा प्रबंधन में सुधार के लिए सरकार, प्रशासन, और समाज को मिलकर काम करना होगा। तभी हम भविष्य में आपदाओं के प्रभाव को कम कर पाएंगे और एक सुरक्षित भारत का निर्माण कर सकेंगे।

जल प्रलय के सन्देश ?

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे ज़रूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल ब्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज़ बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई ज़िले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फ़ेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्राय: फ़ेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व ग़ैर ज़िम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रज़ाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फ़ेंक देने जैसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फ़ेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है।

एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये ज़रूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनज़र भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं।

भारतीय पंजाब के जो ज़िले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोज़पुर व फ़ज़िल्का के नाम ख़ासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला।

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

-ललित गर्ग-

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वत: संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल होता हुआ न रहे, बल्कि दिखता हुआ भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3637

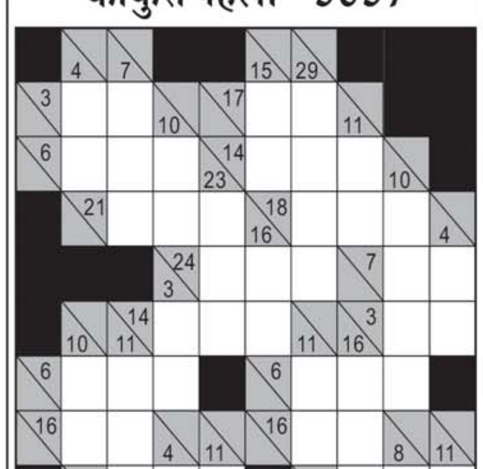

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

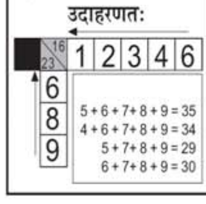

काकुरो - 3636 का हल

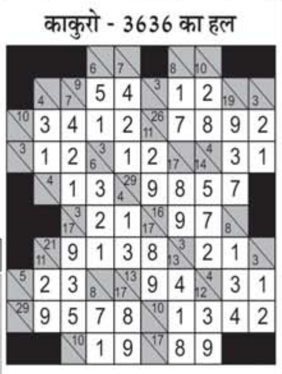

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली - 3637

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3636

सूडोकु -3637

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3636 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3637

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -3636 का हल

किसानों के लिए बड़ी राहत

ग्रेटर नोएडा यूनिवर्सिटी में भूजल संरक्षण होगा, किसानों के बच्चों को 50 प्रतिशत नौकरियां

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में निर्माणाधीन यूनिवर्सिटी प्रशासन और किसान एकता महासंघ के बीच महत्वपूर्ण समझौता हुआ है।

किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में शनिवार को हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।

यूनिवर्सिटी के वाइस प्रेसिडेंट ब्रिगेडियर सुधीर लांबा ने भूजल संरक्षण की योजना पर सहमति जताई। यूनिवर्सिटी परिसर में बोरिंग के जरिए निकाले गए भूजल को वापस जमीन में डाला जाएगा। यह प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने किसानों के बच्चों को रोजगार देने का भी वादा किया है। प्रोजेक्ट में 50 प्रतिशत नौकरियां योग्यता के आधार पर किसानों के बच्चों को दी जाएंगी। जेपी ग्रुप ने 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे की राशि यमुना विकास प्राधिकरण में जमा कर दी है।

बैठक में मास्टर इंद्रपाल सिंह, राजवीर ठेकेदार, रवि नागर, अमित नागर, रज्जाक ठेकेदार, बलजीत हवलदार, ब्रह्म सिंह कसाना, प्रदीप कसाना, राजीव कसाना और सोनू कसाना समेत कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

नाबालिग लड़की से रेप करने वाले को आजीवन कारावास

गौतम बुद्ध नगर। सूरजपुर जिला न्यायालय ने 16 साल की लड़की के साथ रेप करने वाले दोषी शैलेश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 65,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

घटना 23 मार्च 2022 की है। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में आरोपी शैलेश ने लड़की और उसकी बहन को अपने कमरे में बुलाया। उसने दोनों को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। लड़की की बहन को नींद आने पर उसे घर भेज दिया। नशीले पदार्थ से बेहोश हुई लड़की के साथ आरोपी ने रेप किया। लड़की की मां की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। एडीजीसी क्राइम चवनपाल भाटी के अनुसार, चिकित्सा साक्ष्य और फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट ने मामले को मजबूत किया। लड़की के कपड़ों पर पुरुष डीएनए की पुष्टि हुई। सुनवाई के दौरान पीड़िता के माता-पिता ने अपने बयान बदल दिए। उन्होंने कहा कि आरोपी ने उनकी बेटी के साथ कुछ नहीं किया। लेकिन चिकित्सा साक्ष्य और अन्य रिपोर्ट के आधार पर पास्को एक्ट के जज विजय कुमार हिमांशु ने शैलेश को दोषी करार दिया।

किसानों का धरना 34वें दिन भी जारी

यमुना एक्सप्रेस-वे जाम करने की तैयारी, प्रशासन से वार्ता नहीं

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन का धरना 34 दिन से जारी है। रविवार को धरने की अध्यक्षता अहमद खां ने की। संगठन ने सोमवार को यमुना एक्सप्रेस-वे को बाधित करने की योजना बनाई है।

किसान नेताओं ने कहा कि एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो सत्ताधारी दल के विधायक या सांसद ने उनसे मुलाकात की है और न ही प्रशासन से कोई वार्ता हुई है। धरने में ओमवीर सिंह, राजन सिंह, हरिओम सिंह, सुनील भाटी समेत कई किसान नेता मौजूद रहे। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना स्थल पर मौजूद किसानों ने जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर नाराजगी जताई है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर खतरनाक स्थिति

जेवर। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक गंभीर समस्या सामने आई है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने दनकौर की तरफ जाने वाले रैम्प पर सड़क धंस गई है। टोल बूथ के पास रेलिंग के नजदीक सड़क टूटने से गहरा गड्ढा बन गया है। यह रैम्प एक्सप्रेसवे से सर्विस रोड तक जाने के लिए प्रयोग किया जाता है। वाहन चालकों ने इस समस्या को सोशल मीडिया पर उठाया है। उन्होंने गड्ढे की वीडियो बनाकर शेयर की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति दुर्घटना को न्योता दे रही है। चिंता की बात यह है कि अभी तक इस खतरनाक स्थिति के बारे में कोई चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाया गया है।

नोएडा में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़

चेकिंग के दौरान भागे बदमाश ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में घायल

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के सेक्टर-54 में एलिवेटिड रोड के नीचे पुलिस चेकिंग के दौरान एक मुठभेड़ हुई। थाना सेक्टर-24 की पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार को रुकने का इशारा किया। संदिग्ध व्यक्ति ने गाड़ी मोड़कर शमशान घाट की तरफ भागने की कोशिश की।

पुलिस के पीछा करने पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। बदमाश जंगल की तरफ भागने लगा। खुद को घिरता देख उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लग गई।

नोएडा के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान न्यू सीलमपुर, दिल्ली के जे-ब्लॉक निवासी बादल के रूप में हुई। वह 25 वर्ष का है।

उसके पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। साथ ही चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी मिली। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। यह बदमाश बड़े ही शातिर किस्म का है, जो चोरी और चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम दिया करता था। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नोएडा में स्कूली बच्चे बड़ों को पढ़ाएंगे साइबर पाठ

सभी स्कूलों में चार श्रेणी में होगी प्रतियोगिता, बढ़ती साइबर ठगी के चलते लिया निर्णय

नोएडा। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को जागरूक करने की योजना बनाई है। पुलिस साइबर जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, पेंटिंग और निबंध लेखन समेत नौ तरह की प्रतियोगिता का आयोजन करेगी। इसमें जिले के सभी छात्र हिस्सा ले सकते हैं। प्रतियोगिता चार श्रेणी में होगी।

जो भी इसका विजेता होगा उसे साइबर विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा और पुलिस कमिश्नर विजयी छात्रों को पुरस्कृत करेंगी।

डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने बताया कि साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए छात्रों का जागरूक होना सबसे अहम है। अगर वे जागरूक होंगे तो परिवार के अन्य सदस्य तक भी बात पहुंच जाएगी। इसे देखते हुए आगामी महीने में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस व्यापक स्तर पर अभियान चलाने जा रही है।

पुलिस टीम द्वारा एक ओपन श्रेणी की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

इसमें सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों से आवेदन मांगे जाएंगे। कक्षा एक से पांच तक के छात्रों को श्रेणी एक, छह से आठ तक के छात्रों को श्रेणी दो, नौंवी से 12वीं तक तीसरी और इंटरमीडिएट से ऊपर के छात्रों को चौथी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। प्रतियोगिता करीब एक महीने तक चलेगी। विजेता छात्रों को सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में साइबर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

छात्रों को इस दौरान उन लोगों के बारे में भी बताया जाएगा जो जागरूकता के कारण साइबर ठगों के चंगुल में फंसने के बावजूद निकल आए।

इन विषयों पर आधारित होगी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता साइबर ठगी के प्रकार, इसके बचाव और कारणों पर आधारित होगी। साइबर ठगी का शिकार होने पर छात्रों को क्या करना है और ठगी से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं,इसकी भी जानकारी पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों के बाद पुलिस फैक्टरियों और कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी इसी प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन दूसरे चरण में करेगी। दूसरा चरण इसी साल दिसंबर माह के पहले सप्ताह में शुरू होगा।

ग्रेटर नोएडा में कचरा प्रबंधन में लापरवाही

राधा स्काई गार्डन पर 4.32 लाख का जुर्माना, बेसमेंट में डाल रहे थे कूड़ा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कचरा प्रबंधन में लापरवाही बरतने पर राधा स्काई गार्डन बिल्डर को 4.32 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पाया कि बिल्डर सोसाइटी का कचरा बेसमेंट में डाल रहा था। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस लापरवाही से सोसाइटी में गंदगी का अंबार लग गया था। बिल्डर ने कूड़े के निस्तारण की कोई उचित व्यवस्था नहीं की है। इससे सोसाइटी में डेंगू और

मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बिल्डर पर इससे पहले भी जुर्माना लगाया जा चुका है। स्काई गार्डन के निवासियों का कहना है कि केवल जुर्माना लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उनकी मांग है कि प्राधिकरण को बिल्डर पर कचरे के सही निपटान की स्थायी व्यवस्था बनाने का दबाव डालना चाहिए।

निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 40 लाख की ठगी

नोएडा। शेयर मार्केट में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर एक बुजुर्ग से 40 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की वारदात सामने आई है। पीड़ित से एक महिला ने व्हॉट्सएप के जरिए संपर्क किया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। रकम फ्रीज कराने के लिए बैंक खातों की जांच हो रही है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह धोखाधड़ी ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी निवासी 63 वर्षीय सूर्य मोहन धर के साथ हुई है। पुलिस को दी गई शिकायत में बुजुर्ग ने बताया है कि 2 जुलाई को एक महिला ने वॉट्सऐप पर उनसे संपर्क किया। उसने खुद को एक कंपनी से जुड़ा हुआ और शेयर मार्केट का जानकार बताया। शुरुआत में महिला ने उन्हें शेयर खरीद-बिक्री के टिप्स दिए, जिससे कुछ मुनाफा भी दिखाया गया। इसी विश्वास में उन्होंने ।21 जुलाई से 12 अगस्त के बीच उन्होंने करीब 40 लाख 50 हजार रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा कर दिए। शुरुआत में वह केवल 5 हजार रुपये ही निकाल पाए। इसके बाद जब उन्होंने अपना पूरा फंड निकालने की कोशिश की तो महिला और उसके साथी ठगों ने 12 लाख से ज्यादा के मुनाफे पर 15 प्रतिशत सर्विस चार्ज मांगा।

छात्र को बैडमिंटन रैकेट से पीटा, केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। फ्यूजन होम्स सोसाइटी में बैडमिंटन रैकेट से छात्र की पिटाई के आरोपी के खिलाफ बिसरख कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़ित के पिता पुरुषोत्तम सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के मुताबिक 27 अगस्त की रात करीब 9 बजे कार्तिकेय सोसाइटी के बैडमिंटन कोर्ट में खेल रहा था। इस दौरान अंकुर त्यागी वहां पहुंचा और एक बार खेलकर दोबारा खेलने की जिद करने लगा। कार्तिकेय ने मना किया तो आरोपी ने गुस्से में आकर रैकेट से उसके सिर और गाल पर प्रहार कर दिया। इससे बच्चे को गंभीर चोटें आईं। आरोपी ने बच्चे के साथ मारपीट भी की। पीड़ित के परिजनों ने आरोपी अंकुर त्यागी से बात की तो उसने गाली-गलौज की और धमकी दी।

गौर यमुना सिटी में रहवासियों का विरोध

बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

जेवर। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र स्थित गौर यमुना सिटी सोसायटी में शनिवार को सैकड़ों निवासियों ने धरना प्रदर्शन किया। रहवासियों ने बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई।

सोसायटी में कई गंभीर समस्याएं हैं। पानी की टंकी के खुले ढक्कन में जानवर गिर जाते हैं। पार्किंग स्थल पर अवैध निर्माण हो रहा है। सड़कें टूटी हुई हैं। गटर का पानी ओवरफ्लो होता है। सोसायटी में जगह-जगह कूड़ा बिखरा रहता है। श्मशान घाट के पास होने से प्रदूषण की समस्या भी है।

निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से इन समस्याओं को प्रशासन के सामने उठाते आ रहे हैं। प्रशासन

सिर्फ आश्वासन देता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं करता। इसी कारण लोगों ने धरना प्रदर्शन का रास्ता चुना।

प्रदर्शन में श्रवण अवाना, संदीप पुंडीर, विशाल चौहान, लक्ष्मण एचपी सिंह, संदीप राठी, अंकित भूपेंद्र सिंह, धर्मेन्द्र राय, शिवा और नेत्रपाल समेत कई लोग शामिल हुए। सभी ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। रहवासी चाहते हैं कि उनकी बुनियादी सुविधाओं में सुधार हो और जीवन स्तर बेहतर हो।

शार्ट न्यूज

किसान को एयर गन से लगी गोली

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में एक किसान को बाइक मरम्मत कराते समय एयर गन से गोली लग गई। रविवार शाम की यह घटना दीनदयाल तिहारी के पास स्थित एक बाइक मिस्त्री की दुकान की है। ईकोटेक-1 कोतवाली के अमरपुर गांव के किसान राजदीप अपनी बाइक ठीक करा रहे थे। इसी दौरान अचानक पीछे से उनकी कनपटी पर गोली लग गई। घायल राजदीप के सिर से खून बहने लगा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में कराए गए एक्स-रे में सिर में गोली जैसी नुकीली वस्तु फंसी होने की पुष्टि हुई। पीड़ित ने दनकौर कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दनकौर पुलिस के अनुसार, किसी व्यक्ति द्वारा हवा में चलाई गई एयर गन की गोली राजदीप को लग गई। पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपी की पहचान के लिए जांच जारी है।

किसान एकता संघ ने बनाई रणनीति

जेवर। ग्रेटर नोएडा में किसान एकता संघ ने गांवों की समस्याओं को लेकर आंदोलन की योजना बनाई है। रविवार को अट्टा फतेहपुर गांव में संघ की बैठक हुई। बैठक में डॉ. इरफान को संगठन का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय सचिव कृष्ण बैसला ने बताया कि प्राधिकरण के गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सफाई व्यवस्था और बिजली की स्थिति खराब है। जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने कहा कि किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इनमें 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, बैक लीज और आबादी निस्तारण शामिल हैं। साथ ही शिफ्टिंग प्लॉट, रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा की समस्याएं भी हैं। बैठक की अध्यक्षता अट्टा के आशु प्रधान ने की। संचालन प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने किया। बैठक में सोरन प्रधान, आसिफ प्रधान, विक्रम नागर, दुर्गेश शर्मा, सतीश कनारसी, सल्लन पहलवान, फैजान खान और सुभाष भाटी समेत कई लोग मौजूद थे।

इरोस संपूर्णम निवासियों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित इरोस संपूर्णम सोसाइटी के निवासियों ने रविवार को बिल्डर के सेल्स ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। आरोप है कि सोसाइटी में पानी और बिजली जैसी सुविधाएं भी ठीक से नहीं मिल रही हैं। हर सप्ताह पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। जिसका समाधान नहीं किया जा रहा है। सोसाइटी निवासी शशिधर ने बताया कि बृहस्पतिवार रात को पानी की सप्लाई बाधित हुई थी। शुक्रवार सुबह सोसाइटी के टैंक का पानी खत्म हो गया, जिसके बाद लोगों के घरों में पानी आना बंद हो गया। बिल्डर प्रबंधन से शिकायत करने पर प्राधिकरण की कमी बताई गई। आरोप है कि यह समस्या प्रबंधन की मोटर खराब होने के कारण हुई, जोकि लोगों को नहीं बताई गई। सोसाइटी में करीब 24 घंटे तक पानी की समस्या बनी रही। जिसके कारण लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

आज से फिर शुरू होगा नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान

नोएडा। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए शहर में एक बार फिर नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान यातायात विभाग की ओर से चलाया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्देश जारी किया है। शहर में आज से इस अभियान की शुरूआत होगी। सभी पेट्रोल पंप पर कड़ी निगरानी की जाएगी। एआरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा के अनुसार आज से शुरू होने वाला नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान पूरे माह चलेगा। इसमें नोएडा ट्रैफिक पुलिस से लेकर अन्य समाजसेवी संस्थानों का भी साथ लिया जाएगा। जहां संयुक्त रूप से इसका अनुपालन कराया जाएगा, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से साल के छह माह पूरे होने के बाद परिवहन विभाग के साथ बैठक की गई थी। पूरे प्रदेशभर की रिपोर्ट भी जारी की गई थी जिसमें हादसों और मौतों के आंकड़े कम होने के बजाय बढ़ गए थे। हालांकि, गौतमबुद्ध नगर जिले में साल के शुरुआती छह महीनें में मौत के मामले में कमी देखी गई लेकिन हादसों और घायलों की संख्या में इजाफा जरूर हुआ था।

फ्लैट खरीदारों ने किया प्रदर्शन

नोएडा। सेक्टर-79 में अधूरी पड़ी लोटस एरीना सोसाइटी के करीब 1500 फ्लैट खरीदार 10 साल से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सोसाइटी के बिल्डर के दिवालिया होने के बाद मामला नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में गया था। मामले में नया बिल्डर निर्माण शुरू करने को तैयार है। वहीं फ्लैट खरीदारों का आरोप है नोएडा प्राधिकरण की ओर से लेआउट मैप का पुन: वैधीकरण नहीं करने से निर्माण शुरू नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में फ्लैट खरीदारों और नए बिल्डर ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है। रविवार को सेक्टर-79 स्थित सोसाइटी के बाहर 100 से अधिक फ्लैट खरीदारों ने नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी की। खरीदार फ्लैट निर्माण के लिए अनुमति देने की मांग कर रहे थे। खरीदारों ने बताया कि उन्होंने जीवन की सारी पूंजी फ्लैट खरीदने में लगा दी। इसके बाद भी इंतजार के अलावा कुछ नहीं मिला। लोटस एरीना बायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विश्वनाथ शर्मा ने बताया कि जनवरी 2014 में बुकिंग शुरू हुई थी। उस वक्त बिल्डर ने 2019 में पजेशन देने का वादा किया था। वर्ष 2018 के अंत में निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद हो गया। इसके बाद 2020 में सीआईआरपी प्रक्रिया शुरू हुई और 2023 में एनसीएलटी ने नया रिजॉल्यूशन प्लान मंजूर किया।

डेंगू से निपटने के लिए 15 क्यूआरटी टीम बनाई

नोएडा। डेंगू और मलेरिया के प्रभाव को नियंत्रित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पिछले हफ्ते शहरी क्षेत्र में 15 क्विक रिस्पांस टीम बनाई है। वहीं ब्लॉक स्तर पर पहले से ही पांच टीम काम कर रही है। टीम मरीजों पर निगरानी के साथ ही अन्य कार्य करेगी। जिले में अगस्त महीने में 55 मरीजों की पुष्टि हुई है। इस महीने तेजी से डेंगू के मरीज बढ़े हैं। ऐसे पर सभी मरीजों पर निगरानी, दवाओं का छिड़काव, निरीक्षण, घरों की जांच आदि के लिए क्विक रिस्पांस की संख्या बढ़ा दी है। प्रत्येक शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर एक-एक टीम बनाई गई है ।ताकि ये टीम अपने नजदीकी प्रभावित सोसाइटी, सेक्टर, गांव, कस्बों में जाकर मरीजों की स्थिति, एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव, सहित अन्य कार्य कर सके। मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद ब्लॉक स्तर की टीम सभी स्थानों पर जाकर पूरी तरह काम नहीं कर पा रही थी, जिसे देखते हुए टीम की संख्या बढ़ाई गई है। जिले में इस साल डेंगू के 76 मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है। सितंबर महीने में भी तेजी से मरीजों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि पहले के मुकाबले डेंगू के मरीज बढ़े हैं। इन मरीजों की रिपोर्ट 48 घंटे के अंदर तैयार करनी पड़ती है।

भागवत कथा का चतुर्थ दिवस : प्रह्लाद, वामन और कृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन

ग्रेटर नोएडा। एकल श्रीहरि बनवासी फाउंडेशन के तत्वावधान में श्री पीपल महादेव मंदिर में 31 अगस्त 2025 को श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस का आयोजन सायं 4 से 7 बजे तक हुआ।

कथा व्यास साध्वी प्रीति पाराशर जी ने प्रह्लाद चरित्र, समुद्र मंथन, वामन अवतार, संक्षिप्त राम कथा और कृष्ण जन्मोत्सव का भावपूर्ण वर्णन किया।

प्रह्लाद कथा में भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार द्वारा भक्त प्रह्लाद की रक्षा और हिरण्यकश्यप के वध की कथा श्रोताओं को भावविभोर कर गई। वामन अवतार में भगवान विष्णु ने बौने ब्राह्मण रूप में असुर राजा बलि के अहंकार को तोड़कर ब्रह्मांड का संतुलन स्थापित किया। आज के यजमानों में शरद-अर्चना त्यागी, अभय-रश्मि त्यागी, मीनाक्षी-माही माहेश्वरी, योगेंद्र-गीता वर्मा, ओमप्रकाश-पूनम अग्रवाल, बबीता बंसल, सरोज अरोड़ा, ममता सिंह, सरोज तोमर, कुलदीप शर्मा, राकेश शर्मा, साधना, रश्मि अरोड़ा, अर्चना वशिष्ट, डी.के. अरोड़ा, आर.डी. तिवारी, रामावतार गुप्ता, निशु गोयल, अजय केडिया आदि उपस्थित रहे।

जन्मदिन की पार्टी में युवक ने खुद के सिर में मारी गोली

नोएडा। सेक्टर-134 जेपी कॉसमॉस सोसाइटी के फ्लैट में शनिवार रात एक युवक ने खुद के सिर में गोली मार ली। फ्लैट में एक जन्मदिन पार्टी का आयोजन था जिस दौरान युवक के दूसरे दोस्त भी मौजूद थे। युवकों ने पुलिस को कॉल कर घटना के बारे में बताया। घायल का इलाज एक निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों पर नजर है लेकिन अभी परिजनों ने कोई शिकायत नहीं दी है इसलिए केस दर्ज नहीं किया गया है।

एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुलंदशहर के खानपुर निवासी 25 वर्षीय विक्रम ठाकुर सोसाइटी में किराये का फ्लैट लेकर दोस्तों के साथ रहता है। पहले वह कैब चलाता था लेकिन पिछले डेढ़ महीने से कोई काम नहीं कर रहा था। शनिवार को विक्रम के एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी थी। इसमें आठ-10 युवक शामिल हुए। पार्टी रात दो बजे तक चलती रही। इस दौरान विक्रम अपने कमरे में गया और गेट बंद कर पिस्टल से खुद के सिर में गोली मार ली। बाकी दोस्तों ने उस कमरे में जाकर देखा तो वह खून से लथपथ पर फर्श पर पड़ा था। दोस्त उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर परिजन और पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। आगे जरूरत पड़ने पर पार्टी में शामिल युवकों से भी पूछताछ की जाएगी।

प्रेमिका से संबध टूटने की बात आई सामने

विक्रम ने खुद को गोली क्यों मारी पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि घायल के दोस्तों से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई है कि विक्रम का कुछ दिन पहले अपनी प्रेमिका से संबंध विच्छेद हो गया था। इसके बाद से वह परेशान चल रहा था। यह बात उसने दोस्तों को भी बताई थी। युवक के मोबाइल की भी जांच की जाएगी। विक्रम के पास हथियार कहां से आया इसकी भी जानकारी की जा रही है। हथियार लाइसेंसी है या नहीं इसका भी अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है। पार्टी में शामिल दोस्तों की भी भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। पुलिस ने पार्टी में शामिल युवकों से जब अलग-अलग पूछताछ की तो कई के बयान में भिन्नता थी। पुलिस पूरे घटनाक्रम को जानने के लिए फ्लैट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

चौथे दिन भी बारिश का कहर रहा जारी : पीलीभीत में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जलभराव से सड़कें बनी तालाब, घरों में घुसा पानी, एक की मौत

पीलीभीत। लगातार चार दिन से हो रही बरसात ने पीलीभीत शहर और आसपास के इलाकों में तबाही मचा दी है।

रविवार सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते शहर के अधिकांश मार्ग जलमग्न हो गए। निचले इलाकों के घरों में पानी घुसने से लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गईं। आसमान में कड़कती बिजली ने डर का माहौल बना दिया। इसी बीच गजरौला थाना क्षेत्र के गांव अमखेड़ा निवासी 32 वर्षीय जितेंद्र यादव की बिजली गिरने से मौत हो गई, जिससे पूरे परिवार में मातम पसर गया।

शनिवार रात से शुरू हुई बारिश रविवार सुबह तेज हो गई और तीन घंटे तक झमाझम बारिश ने पूरे शहर को थाम दिया। स्टेशन रोड, मोहल्ला तखान, सुनगढ़ी, जोशी टोला, फीलखाना, शेर मोहम्मद और दुधिया मंदिर इलाके में घुटनों तक पानी भर गया। कई जगह घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान खराब हो गया। जलभराव के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और अधिकांश दुकानें बंद रहीं।पानी भरने से यातायात भी बाधित हुआ। कई स्थानों पर वाहन पानी में फंस गए, जिन्हें लोगों ने धक्के लगाकर बाहर निकाला। मोहल्लों और चौराहों पर लोगों को घंटों तक पानी में फंसे रहना पड़ा।

भारी बारिश ने नगरपालिका की व्यवस्था की पोल खोल दी। नालों की सफाई और जलनिकासी के दावे धरे के धरे रह गए। रंगीलाल चौराहा, अग्रवाल सभा, झंडे वाला चौराहा, गांधी स्टेडियम और नखासा मोहल्ले समेत कई इलाकों में दुकानों और घरों में पानी भर गया।

लोगों ने सोशल मीडिया और संदेशों के जरिए प्रशासन पर जमकर नाराजगी जताई।

नागरिकों का कहना है कि नालों का डिज़ाइन ही गलत है। जहां चौड़े नाले बनने चाहिए थे, वहां छोटे बनाए गए। वार्ड 19, वल्लभनगर, आवास विकास और तुलाराम क्षेत्र में पानी उतरने का नाम नहीं ले रहा। मोहल्ला नखासा में श्री बाल्मीकि मंदिर के पास नाले का पानी बैक होकर सड़कों पर आ रहा है।

'हर घर बरसाती पानी' योजना का तंज

वार्ड-19 के लोगों ने व्यंग्य करते हुए कहा कि नगर पालिका और सरकार की लापरवाही से हर घर वरसाती पानी योजना चल रही है।

गंदगी और चोक नालों के कारण संचारी रोग फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका ने करोड़ों रुपये पार्क सजाने और दिखावटी निर्माणों पर खर्च किए, जबकि जलनिकासी की मूलभूत समस्या जस की तस बनी हुई है। ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से नालों की सफाई और चौड़ाई पर ध्यान नहीं दिया गया, जिसका खामियाजा हर बरसात में आम जनता भुगत रही है।पीलीभीत में लगातार बारिश ने जहां एक परिवार की खुशियां छीन लीं, वहीं हजारों लोग जलभराव, गंदगी और ठप जनजीवन से जूझ रहे हैं।

नागरिक प्रशासन से राहत और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं।

बिजली गिरने से युवक की मौत, मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

पीलीभीत। रविवार सुबह आसमान से गिरी आफत ने पीलीभीत जिले के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव अमखेड़ा निवासी 32 वर्षीय जितेंद्र यादव की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की पत्नी और तीन छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ड्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक, जितेंद्र यादव पुत्र स्वर्गीय रमेश सिंह यादव थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव शहपुरा स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन थे। शनिवार रात ड्यूटी पूरी करने के बाद रविवार सुबह करीब 8 बजे वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास आसमान से अचानक गिरी बिजली उनकी जान ले बैठी।

अस्पताल ले जाते वक्त बुझ गई सांसें

बिजली गिरने से बेहोश होकर जमीन पर गिरे जितेंद्र को आसपास मौजूद लोगों ने पंप कर्मचारियों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने भी सहयोग किया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया लेकिन कुछ ही देर बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार में कोहराम, गांव में मातम

जितेंद्र की मौत की खबर मिलते ही गांव और परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी शशि का रो-रोकर बुरा हाल है।

छह साल की बेटी काव्या और दो जुड़वा बेटों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। गांव में हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है और पीड़ित परिवार के दुख में शामिल है।

देवरिया में दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या

देवरिया। देवरिया के लार थाना क्षेत्र के रावतपार रघेन गांव में एक नवविवाहिता की दहेज के लिए हत्या का मामला सामने आया है। मृतका अनीता चौहान (29) की शादी विनोद चौहान से 6 फरवरी 2023 को हुई थी। मृतका के पिता रामा प्रसाद चौहान के अनुसार, शादी के बाद से ही दहेज को लेकर बेटी को प्रताड़ित किया जाता था। घटना वाली रात साढ़े दस बजे अनीता ने अपने पिता को फोन किया था। वह घबराई हुई थी और दिन में हुए विवाद की बात बता रही थी। पिता ने दामाद विनोद को समझाने की कोशिश की। लेकिन कुछ देर बाद मोबाइल बंद हो गया। रविवार सुबह गांव वालों ने सूचना दी कि रात में अनीता की हत्या कर शव जला दिया गया है।

पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, दो की मौत, कई अन्य घायल

महेश सिंह विशाल इंडिया

लखनऊ। कुर्सी रोड स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को जोरदार धमाका हो गया। धमाके में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की छत और दीवारें टूटकर दूर तक जा गिरीं। आसपास के घरों की खिड़कियां भी हिल गईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी ही देर में कई दमकल गाड़ियां और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। सीनियर पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हुए। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान और धमाके की असली वजह की जांच की जा रही है। फैक्ट्री के लाइसेंस और सुरक्षा मानकों की भी जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह हादसा पटाखों के रख-रखाव या निर्माण के दौरान हुई चिंगारी से हुआ हो सकता है।

22 साल की नर्स को बॉयफ्रेंड ने मार डाला

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बॉयफ्रेंड ने 22 साल की नर्स की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया। प्रेमिका 7 दिन से लापता थी। वारदात का खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में लिया। प्रेमी की निशानदेही पर शनिवार रात पुलिस ने शव बरामद किया। पूछताछ में प्रेमी ने कबूला कि प्रेमिका उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इसी वजह से उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। समरीन बिलारी थाना क्षेत्र के सहसपुर साहूकारा रुस्तमनगर मोहल्ले की रहने वाली थी। वह रामपुर के सैफनी कस्बे में इनाया हेल्थ केयर क्लिनिक में नर्स थी। उसका फाजलपुर निवासी गौसे आलम से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गौसे आलम ड्राइवर है।24 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे समरीन घर से क्लिनिक जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने क्लिनिक पर फोन करके जानकारी ली, लेकिन वहां से कोई खबर नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। जब नर्स का कोई सुराग नहीं मिला, तो 25 अगस्त को उन्होंने बिलारी थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई।

जहानाबाद बाईपास पर धंसी सड़क की मरम्मत शुरू, शाम तक पूरा होगा कार्य

पीलीभीत। बरेली-हरिद्वार हाईवे पर स्थित जहानाबाद बाईपास के पुल और सड़क के बीच सड़क धंसने से आवागमन प्रभावित हो गया था। इससे भविष्य में दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी। जानकारी मिलते ही किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने नेशनल हाईवे के अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल संबंधित फर्म को मरम्मत के निर्देश दिलवाए। जिसके बाद रविवार सुबह से ही युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य प्रारंभ करा दिया गया।

पुल और सड़क के बीच सड़क धंसने का मुख्य कारण लगातार हुई बारिश को बताया गया। पुल से पानी की निकासी न होने के कारण सड़क कटकर धंस गई। इस समस्या के समाधान के लिए पुल की सभी पानी निकालने वाली नालियां और सुराख भी साफ करा दिए गए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो। सुबह से शुरू हुआ मरम्मत कार्य तेज गति से जारी है और अधिकारियों के मुताबिक यह कार्य रविवार शाम तक पूरा कर लिया जाएगा।

वहीं, हाईवे पर यातायात आंशिक रूप से शुरू भी कर दिया गया है, जिससे लोगों को राहत मिली है।किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने कहा कि यदि पक्की सड़कों पर कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है तो संबंधित विभाग के अधिकारी समय रहते ध्यान दें, ताकि सड़क और पुल क्षतिग्रस्त न हों और लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद पहले ही सुरक्षित यातायात को लेकर उच्च अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे चुके हैं। यही वजह है कि मौके पर तुरंत कार्यवाही हुई और मरम्मत शुरू हो गई।

अवैध शराब के अड्डों पर पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यवाही

ललितपुर । अवैध शराब की रोकथाम, उसके अनियमित निर्माण व बिक्री के विरुद्ध रविवार को पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान टीम द्वारा छापेमारी की गई और अवैध शराब बनाने की आधा दर्जन भट्ठियों को तोड़ा गया। 770 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। 18 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मामले में विभागीय कार्रवाई से शराब का अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे ,अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व समस्त क्षेत्राधिकारीगण के निकट पर्यवेक्षण मे जनपद में अवैध शराब/मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपदीय पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में दबिश के दौरान कुल 770 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर मौके पर करीब 12800 लीटर लहन नष्ट कर, 18 अभियुक्तगण को नियमानुसार हिरासत पुलिस में लिया गया । मौके पर 06 भट्टियां व शराब बनाने के उपकरणों को भी नष्ट किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। कोतवाली ललितपुर पुलिस 400 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 5000 लीटर लहन, नष्ट कर मौके से चार अभियुक्तगण गिरफ्तार किया गया । थाना तालबेहट पुलिस 240 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 2000 लीटर लहन मौके पर नष्ट कर मौके से सात अभियुक्तगण गिरफ्तार किया गया । थाना पूराकलां पुलिस 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 4000 लीटर लहन, मौके पर नष्ट कर मौके से एक अभियुक्त गिरफ्तार किया गया । थाना पाली पुलिस 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 500 लीटर लहन एक अभियुक्ता गिरफ्तार किया गया । थाना मड़ावरा पुलिस 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 100 लीटर लहन, नष्ट कर मौके से एक अभियुक्त गिरफ्तार किया गया । थाना बार पुलिस 20 लीटर अवैध शराब बरामद कर दो अभियुक्त गिरफ्तार किया गया । थाना सौजना पुलिस 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर मौके पर 1200 लीटर लहन नष्ट कर मौके से दो अभियुक्त गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस ने चोरी किये माल के साथ दो चोरों को पकड़ा

ललितपुर। महरौनी पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए दो चोरों से चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी,महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना महरौनी पर पंजीकृत मु0अ0स0- 355/2025 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में प्रकाश में आये दो अभियुक्तगण शिवाजी उर्फ कृष्णाधीशराजा पुत्र अर्जुन सिंह उम्र करीब 28 वर्ष वर्ष निवासी ग्राम भैरा थाना महरौनी ललितपुर, जितेन्द्र सिंह पुत्र जगदीश सिंह उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम भैरा थाना महरौनी ललितपुर को चोरी के शत-प्रतिशत माल सहित बानपुर बाईपास चौराहा कस्बा महरौनी थाना महरौनी जिला ललितपुर से नियमानुसार गिरफ्तार कर, आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुये, माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

युवक का मर्डर, शव के टुकड़े कर गंगा में फेंके

कानपुर। कानपुर में युवक की हत्या करके टुकड़ों को गंगा में बहा दिया। वारदात को उसके दोस्त ने ही अंजाम दिया। आरोप है कि युवक के दोस्त की बहन से प्रेम संबंध थे। दोनों को कई बार एक साथ घूमते देखा था। उसने बात करने से मना किया था। लेकिन युवक नहीं माना। इसके बाद दोस्त ने शराब पार्टी के बहाने बुलाया। अपने साथियों के साथ मिलकर उसे पीटा। इसके बाद चापड़ से उसके कई टुकड़े किए। सिर और दोनों हाथ काट डाले। फिर गंगा में फेंक दिए। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस अब गंगा में टीम और गोताखोरों को लगाकर टुकड़ों की तलाश कर रही है। ये मामला चकेरी के शिवकटरा का है। डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने बताया, शिवकटरा हरिजन बस्ती हरिजेन्दर नगर निवासी रवि ने बताया था कि उसका छोटा भाई ऋषिकेष (22) कार ड्राइवर है। ऋषिकेष से इलाके के पवन निषाद, नागा निषाद उर्फ प्रेम, अरुण निषाद और सत्यम ने मारपीट की। इसके बाद हत्या करके गंगा में फेंक दिया है। 28 अगस्त से ऋषिकेष का मोबाइल भी स्विच ऑफ था। शनिवार को (30 अगस्त) देर रात पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी पवन समेत अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पूरा मामला खुल गया।

फाइनेंस कंपनी से धोखाधड़ी के मामले में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने बजाज फाइनेंस कंपनी से षडयंत्र कर कूटरचित दस्तावेज तैयार करके धोखाधड़ी करने के मामले 25 हजार का इनामी गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक एंव क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में, जनपद में अपराध एव अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 881/25 धारा 61(2)/318(4)/338/336(3)/340(2) बीएनएस में वांछित 25000 रूपये के इनामिया अभियुक्त करन साहू पुत्र मनोज कुमार निवासी लिटिल फ्लोवर स्कूल के पास, गांधीनगर नई बस्ती थाना-कोतवाली ललितपुर जनपद ललितपुर उम्र करीब 19 वर्ष को बुढवार रोड़ तिराहा ललितपुर से नियमानुसार गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय पेश किया जा रहा है । वादी मुकदमा संदीप सिंह सोलंकी पुत्र लक्ष्मन सिंह सोलंकी उम्र करीब 29 वर्ष असिस्टेन्ट मैनेजर रिस्क बजाज फाइनेन्स लिमिटेड झोखन बाग इलाइट चौराहा जनपद झांसी द्वारा अभियुक्तगण महेन्द्र बरार, नवनीत आदि 07 द्वारा धोखाधड़ी करके षणयन्त्रपूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बजाज कम्पनी को करीब 1,71,01,703/- रुपये की क्षति पहुचाने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी थी । तहरीर के आधार पर कोतवाली ललितपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त प्रकरण की गंभीरता व व्यापकता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही व वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन हेतु स्क्वाड टीम गठित की गयी थी तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु 25000 रूपये का ईनाम घोषित किया गया था ।

गठित टीमों द्वारा सर्विलांस(मैनुअली/टैक्नीकल), वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन व अन्य एकत्रित साक्ष्यों की मदद से पूर्व में अभियुक्तगण 1.नवनीत व महेन्द्र को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया था ।

शार्ट न्यूज

राधाष्टमी पर राज्य मंत्री ने की राधा रानी की पूजा-अर्चना

पीलीभीत। राधाष्टमी के पावन अवसर पर गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार रविवार को शहर के प्राचीन साहूकारा स्थित लालू जी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने राधा रानी की पूजा-अर्चना कर सर्वजन के कल्याण की कामना की।मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तगण भजन-कीर्तन में लीन होकर राधा रानी का गुणगान करते रहे। इस अवसर पर मंदिर के महंत गौरव पंडित जी ने विधिविधान से पूजा सम्पन्न करवाई और राज्य मंत्री श्री गंगवार का पाठका उड़ाकर स्वागत-अभिनंदन किया।पूजन-अर्चना के बाद मंदिर प्रांगण में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बच्चों को ट्रॉफी और उपहार भी वितरित किए गए। भजन, कीर्तन और आरती के बीच पूरा माहौल भक्तिमय रहा।

कॉन्स्टेबल ने सिपाही पत्नी को प्रेमी के साथ पकड़ा

कुशीनगर। कुशीनगर में एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने अपनी सिपाही पत्नी को उसके प्रेम के साथ अपने ही घर में रंगे हाथ पकड़ लिया। कॉन्स्टेबल अचानक सुबह घर पहुंचा तो उसकी पत्नी अपने प्रेमी साथ कमरे में थी। देखते ही शोर मचाना शुरू किया। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची। पत्नी कमरे से बाहर निकली और गेट पर ताला मार दिया। प्रेमी कमरे में ही बंद था और उसने अंदर से दरवाज़ा लॉक कर लिया। कॉन्स्टेबल पति पत्नी से दरवाजा खोलने के लिए बोलता रहा, लेकिन उसकी पत्नी ने कहा दरवाजा नहीं खोलेंगे। पति ने तवे से ताला तोड़ा। फिर पैर से मार कर दरवाजा खोला। प्रेमी के बाहर निकलते ही उससे मारपीट शुरू कर दी। प्रेमी को पकड़ कर पुलिस थाने ले गई। पूरा मामला शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी नगर का है। बलिया के रहने वाले मिथिलेश यादव कुशीनगर में कांस्टेबल के पत पर तैनात है। वह कसया नगर के शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी नगर में किराए का मकान में रहते हैं।6 फरवरी 2025 को सुल्तानपुर की रहने वाली सिम्पी यादव से मिथिलेश की शादी हुई। सिम्पी भी कसया थाने में सिपाही के पद पर तैनात है।

सिपाही को बस से कुचलने की कोशिश

कन्नौज। कन्नौज में रोडवेज बस ड्राइवर ने ट्रैफिक सिपाही को कुचलने का प्रयास किया। सड़क पर बस खड़ी करने से रोकने पर ड्राइवर भड़क गया और सामने खड़े सिपाही की ओर बस बढ़ा दी। हालांकि सिपाही पीछे हट गया। मामला सदर कोतवाली की सरायमीरा चौकी क्षेत्र के रोडवेज बस स्टैंड के बाहर का है। यहां रविवार शाम दिल्ली की तरफ से लोनी डिपो की बस लेकर पहुंचे ड्राइवर ने बस स्टैंड के बाहर जीटी रोड पर बस खड़ी कर दी। जिससे वहां जाम लगने लगे गया। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कर्मी प्रमोद ने बस को स्टैंड के अंदर ले जाने को कहा तो ड्राइवर बहस करने लगा। इस बीच एक अन्य ट्रैफिक कर्मी राजेन्द्र चौधरी वहां आ गए और ड्राइवर को समझाने के प्रयास किया, लेकिन वह भड़कने लगा। ट्रैफिक कर्मियों के वह वीडियो बनाने लगा। सिपाही राजेन्द्र चौधरी ने उच्चाधिकारियों को सूचना देते हुए कार्यवाही की बात कही तो ड्राइवर बस को आगे की ओर ले जाने लगा। ट्रैफिक कर्मी ने बस के आगे खड़े होकर उसको रोकने का प्रयास किया तो उसने सिपाही की परवाह किए बिना ही बस को तेजी से आगे बढ़ा दिया, जिससे उनको टक्कर लगते बची।

आकाशीय बिजली से एक युवक की मौत

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में रविवार शाम को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। नगला समई निवासी 22 वर्षीय विवेक यादव मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान उन पर बिजली गिरने से मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। विवेक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव काँधेमई मिलकिया में बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे बैठे चार लोग बिजली गिरने से झुलस गए। घायलों में रिषभ यादव (14), आकाश यादव (26), अंकित यादव (17) और रोहन (11) शामिल हैं। रिषभ को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य तीनों का सीएचसी नवाबगंज में इलाज चल रहा है। गांव गनेशपुर के सतीश चंद्र की 27 बकरियां भी बिजली की चपेट में आ गईं। वह गांव गिलौंदा के पास बकरियां चरा रहे थे। गांव ब्रम्हपुरी में संतोष कुमार की भैंस और गांव कनासी में पियूष गंगवार की गाय की भी मौत हो गई। नवाबगंज के मुहल्ला पुराना गनीपुर में भूरे यादव का इन्वर्टर बैटरी फट गया। धीरज सक्सेना के घर की छत का कुछ हिस्सा गिर गया, लेकिन परिवार सुरक्षित रहा।

उन्नाव में सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

उन्नाव। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर एक सड़क हादसे में लगभग 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बछौलीं गांव के मजरे भवन खेड़ा निवासी वीरेंद्र यादव के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब वीरेंद्र यादव अपनी बहन के घर शिव बक्शखेड़ा से मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे। कोयलिया खेड़ा गांव के सामने एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल वीरेंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास ले गई। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वही मृतक का सबसे छोटा लड़का ज्ञानेंद्र यादव जो अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित हुआ था जिसका प्रशिक्षण उरई स्थान जालौन में चल रहा था सूचना पर वह भी वहां से आ रहा है वीरेंद्र यादव के परिवार में दो बहनें और इकलौता भाई था। उनके चार बच्चे हैं - 30 वर्षीय मुकेश, 20 वर्षीय उमेश, 26 वर्षीय अर्चना और 20 वर्षीय ज्ञानेंद्र।

बुलेट चुराने वाले आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

गोंडा। गोंडा में इटियाथोक थाना क्षेत्र के लाला पुरवा गांव के पास पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। इन्होंने इटियाथोक थाने के मुख्य आरक्षी राघवेंद्र प्रताप शाही की बुलेट चोरी की थी। मुठभेड़ में मुख्य आरोपी मनीष तिवारी के दाहिने पैर में गोली लगी है। दूसरा आरोपी सुरेंद्र कुमार भारती भी पकड़ा गया है। इटियाथोक पुलिस और एसओजी टीम संयुक्त अभियान चला रही थी। रात 8 बजे के करीब बिना नंबर की बुलेट पर दो लोग जा रहे थे। पुलिस ने जब रोकने की कोशिश की तो मनीष तिवारी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने मनीष के पैर में गोली मारी। घायल मनीष को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक ले जाया गया। बाद में उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। दोनों आरोपियों से सिपाही की चोरी की गई बुलेट और एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। 19 अगस्त को दोपहर 3 बजे के करीब आरोपियों ने सिपाही राघवेंद्र की आवास के बाहर खड़ी बुलेट चोरी की थी।

आकाशीय बिजली से महिला झुलसी

कासगंज। कासगंज जनपद की कोतवाली सिढपुरा क्षेत्र के नगला परसी में शनिवार को एक महिला आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। 28 वर्षीय ममता अपने घर के आंगन में खाना बनाने के लिए चूल्हा जला रही थी। इसी दौरान घर के आँगन में लगे नल पर अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। आपको बतादे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला ममता गंभीर रूप से झुलस गईं। महिला के परिजन तुरंत उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल कासगंज ले गए। डॉक्टर वर्तमान में ममता का इलाज कर रहे हैं। घटना में मकान का लेंटर भी क्षतिग्रस्त हो गया है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की स्थिति अब खतरे से बाहर है। और महिला को जिला अस्पताल के जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

700 अप्रवासी बच्चों को वापस भेजने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के सीनेटर रॉन वायडन ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि ट्रंप प्रशासन लगभग 700 ग्वाटेमाला के ऐसे बच्चों को देश से बाहर भेजने की योजना बना रहा है जो अपने माता-पिता के बिना अमेरिका आए थे। सीनेटर वायडन ने यह जानकारी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की कार्यकारी निदेशक एंजी सालाजार को भेजे एक पत्र में दी। यह दफ्तर उन बच्चों की देखरेख करता है जो बिना अभिभावक के अमेरिका आते हैं। वायडन ने लिखा कि इन बच्चों को वापस भेजना कार्यालय की बाल कल्याण जिम्मेदारी और इस देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा।

यमन पर इस्राइली हमले में हूती पीएम रक्षा मंत्री व आर्मी चीफ की मौत का दावा

साना, एजेंसी। इस्राइल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा हवाई हमला किया है। हमले में हूती प्रधानमंत्री गालिब अल-रहावी और समूह के रक्षा मंत्री समेत कई सैन्य अधिकारी मारे जाने की आशंका है। हालांकि, हूती नेताओं की मौत पर समूह की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अल रहावी एक साल से हूतियों के कब्जे वाले यमन के प्रधानमंत्री थे। हालांकि, उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली थी। इस्राइली मीडिया ने इसे यमन के हूतियों पर सबसे बड़ा हमला करार दिया है। हमला उस वक्त किया गया जब ये शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। हमले की खबर सबसे पहले हूती समूह से संचालित अल मसीरा टीवी ने दी और फिर रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और आईडीएफ ने भी हमले की पुष्टि की। यमन के अल-जम्हूरिया चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे, जब उन्हें निशाना बनाया गया। हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी इस हमले में मारे जाने की संभावना है।

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को जेल की सजा, सड़क दुर्घटना में लॉ प्रोफेसर की मौत का दोषी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक को 2023 में एक सड़क दुर्घटना में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एक वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत के लिए दो साल एक महीने की जेल और 2,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने की सजा सुनाई। 7 जुलाई, 2023 को, एक निर्माण मजदूर नटराजन मोहनराज (28) ट्रक चलाते समय अपना मोबाइल फोन देख रहा था और उसी वक्त उसके ट्रक ने एमेरिटस प्रोफेसर टैन यॉक लिन (70) की कार से टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रोफेसर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नटराजन का लापरवाही से गाड़ी चलाने का इतिहास रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें जून 2023 में 25 जुलाई से पहले अपना लाइसेंस सरेंडर करने का नोटिस जारी किया था, लेकिन लाइसेंस सरेंडर करने की समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही दुर्घटना हो गई। दुर्घटना के बावजूद, नटराजन ने 2024 में अपना लाइसेंस रद्द होने के बाद भी दो अलग-अलग मौकों पर दूसरी लॉरी चलाना जारी रखा। सिंगापुर मीडिया की रिपोर्ट में कहा कि अदालत ने मोहनराज को सिंगापुर में आजीवन गाड़ी चलाने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को बताया अवैध, राष्ट्रपति बोले- ये फैसला तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय अपील अदालतों में से एक ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि देशों पर लगाए गए सभी टैरिफ प्रभावी रहेंगे। साथ ही हाल ही में एक अत्यधिक पक्षपातपूर्ण अपील न्यायालय के फैसले को गलत बताया।

ट्रंप ने कहा,सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपातपूर्ण अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमजोर बना देगा, और हमें मजबूत होना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एक संघीय अपील अदालत द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद आई है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम किसी राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। जैसा कि ट्रंप ने इस वर्ष की शुरुआत में कानून का इस्तेमाल किया था। संघीय सर्किट ने ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

सीएनएन के अनुसार न्यायाधीशों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा लगाया गया अभूतपूर्व टैरिफ उनकी शक्ति का अतिक्रमण है क्योंकि टैरिफ सहित कर लगाने की क्षमता एक प्रमुख कांग्रेसी शक्ति है जो संविधान विधायी शाखा को प्रदान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि उनका देश अब बड़े व्यापार घाटे या अन्य देशों द्वारा लगाए गए अनुचित टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को तबाह कर देगा।

मजदूर दिवस सप्ताहांत से पहले ट्रंप ने अमेरिकी कामगारों और कंपनियों की मदद के लिए टैरिफ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, हम सभी को याद रखना चाहिए कि टैरिफ हमारे कामगारों की मदद करने और बेहतरीन मेड इन अमेरिका उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का समर्थन करने का सबसे अच्छा जरिया है। ट्रंप ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ लगाने की इजाजत देने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कई सालों तक, हमारे बेपरवाह और नासमझ राजनेताओं ने टैरिफ को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने दिया। अब, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मदद से हम अपने देश के हित में इनका इस्तेमाल करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे! रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने जून में संकेत दिया था कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ वार्ता श्रम दिवस तक पूरी हो सकती है, हालांकि कानूनी अनिश्चितता के कारण अब यह समय-सीमा जटिल हो गई है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के कदमों का बचाव किया। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने विदेशी खतरों से हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए कांग्रेस द्वारा उन्हें दी गई टैरिफ शक्तियों का वैधानिक रूप से प्रयोग किया। राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी प्रभावी हैं और हम इस मामले में अंतिम जीत की आशा करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार घाटे वाले लगभग साठ देशों या व्यापार समूहों पर नए टैरिफ की एक व्यापक श्रृंखला की घोषणा की। ये लगभग 100 वर्षों में अमेरिका द्वारा की गई सबसे बड़ी टैरिफ वृद्धि थी।

मैंने बहुत लोगों का मुंह तोड़ा, पत्रकार पर भड़के ऑस्ट्रेलियाई राजनेता ने दी धमकी, खड़ा हुआ विवाद

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के राजनेता बॉब कैटर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार को धमकाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह घटना ब्रिस्बेन में क्वीनस्लैंड संसद भवन के बाहर हुई, जहां एक पत्रकार ने बॉब कैटर से उनके लेबनानी मूल को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल से कैटर भड़क गए और उन्होंने गुस्से में पत्रकार की ओर मुट्ठी उठाई।

कैटर ने चिल्लाते हुए कहा, अरे यार, ये मत बोलो! क्योंकि ये बात मुझे गुस्सा दिलाती है और मैंने ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह तोड़ा है। मत बोलो ऐसा। मेरा परिवार यहां 140 साल से है। उन्होंने आगे कहा, मैंने कई बार लोगों का मुंह तोड़ा है, लेकिन आज खुद को रोक रहा हूं। मत बोलो ऐसा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक दूसरे पत्रकार ने पूछा कि इस सवाल में क्या गलत है, तो कैटर ने जवाब दिया, मैं इस मुद्दे पर बात नहीं कर रहा। मैं एक ऑस्ट्रेलियाई हूं। मेरा परिवार यहां आदिकाल से है। बात खत्म।

हालांकि, धमकाए जाने के बावजूद चैनल 9 के पत्रकार जॉश बावास ने एक और सवाल पूछा। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत लोग हैं जो दूसरे देशों से

आए हैं, जैसे आप और आपका परिवार, और वे अच्छे मूल्यों को साथ लेकर आते हैं। लेकिन कैटर ने उन्हें बीच में रोकते हुए फिर से गुस्से में कहा, ऐसा मत कहो।

तुम नस्लवादी हो। उन्होंने बावास की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, तुम नस्लवादी हो। तुमने जो कहा वो एक नस्लवादी बयान है। कैटर ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पत्रकार और चैनल से माफी की मांग की। उन्होंने लिखा, मुझे ऑस्ट्रेलियाई न मानना मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

वहीं, पत्रकार जॉश बावास ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को असामान्य बताया। उन्होंने कहा, मैंने बीते बीस वर्षों की पत्रकारिता में ऐसा कभी नहीं देखा। मैं केवल यह पूछना चाह रहा था कि प्रवासी परिवारों ने इस देश में साझा मूल्यों के जरिए क्या योगदान दिया है, जिसमें कैटर और मेरा परिवार भी शामिल है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बॉब कैटर की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा, बॉब कैटर मुझे पसंद हैं, लेकिन उन्हें यह वीडियो देखना चाहिए। खुद को देखना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी ऑस्ट्रेलियाई, खासकर सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा, आप ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जिसका नाम अल्बनीज है। हमारे सीनेट नेता का नाम वोंग है। प्रवासन इस देश को समृद्ध करता है। पहले ऑस्ट्रेलियाई (फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन) को छोड़कर हम सब या तो प्रवासी हैं या प्रवासियों की संताने की संताने हैं।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को किया बर्खास्त, फोन कॉल लीक से जुड़ा है मामला

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को नैतिकता के उल्लंघन के आरोप में शुक्रवार को पद से बर्खास्त कर दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सत्ता में आने के केवल एक साल बाद ही हुई बर्खास्तगी के बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका है। पैतोंगतार्न, थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री थी।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने जून में लीक हुए एक टेलीफोन कॉल में नैतिकता का उल्लंघन किया है, जिसमें वह कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के सामने झुकती हुई दिखाई दीं। जब दोनों देश सशस्त्र सीमा संघर्ष के कगार पर थे। कुछ हफ्तों बाद लड़ाई शुरू हुई और पांच दिनों तक चली। 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने अपने निजी हितों को राष्ट्र के हितों से ऊपर रखा और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

आगे क्या होगा? : पैतोंगतार्न शिनावात्रा 17 वर्षों में संवैधानिक न्यायालय द्वारा हटाई जाने वाली पांचवीं प्रधानमंत्री बनीं। उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और वर्तमान मंत्रिमंडल कार्यवाहक के रूप में तब तक सरकार की देखरेख करेंगे जब तक कि संसद द्वारा नए प्रधानमंत्री का चयन नहीं हो जाता, जिसकी तिथि सदन के अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। संविधान में निचले सदन की बैठक कब होनी चाहिए, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

शिनावात्रा परिवार को नुकसान: अदालत के इस फैसले से पार्टियों और अन्य सत्ता-दलालों के बीच सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का रास्ता खुल गया है। जिसका केंद्रबिंदु पैतोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा हो सकते हैं। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास केवल सात सीटों का मामूली बहुमत है, जिसका अर्थ है कि गठबंधन से किसी भी तरह की निष्ठा का बदलाव शिनावात्रा राजनीतिक परिवार के लिए महंगा पड़ सकता है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा, अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस, एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है।

गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

शांति बहाली में तेजी लाने की कवायद, जेलेंस्की फिर ट्रंप से मिलेंगे; रूस पर लगाए आरोप

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन बीच तीन साल से चल रहे संघर्ष में स्थिति दिन प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। शांति वार्ता को लेकर चल रहे प्रयास भी धूमिल होते हुए दिख रहे है। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं से अगले हफ्ते मुलाकात करना चाहता है ताकि रूस के साथ चल रही तीन साल की जंग को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा की जा सके। इस दौरान जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि वह शांति वार्ता में कोई गंभीर पहल नहीं कर रहा, बल्कि अब भी यूक्रेन के आम इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन राष्ट्रपति कार्यालय प्रमुख आंद्रेई यरमाक ने न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य है कि वॉशिंगटन समिट में बनी सहमति को लागू किया जाए और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाए। यरमाक ने बताया कि पुतिन इस महीने अलास्का में ट्रंप से मुलाकात के बाद भी शांति वार्ता में रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने कहा कि रूस युद्ध रोकने के लिए जरूरी किसी भी कदम को नहीं मान रहा और जानबूझकर स्थिति को लटकाए रख रहा है।जेलेंस्की ने कहा कि अगले हफ्ते यूरोपीय नेताओं के साथ कई मुलाकातें अलग-अलग जगहों पर होंगी। यूक्रेन ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और जेलेंस्की-पुतिन बैठक के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। बता दें कि यूक्रेन ने अब तक कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

अमेरिका ने कैंसिल किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा

अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक से पहले फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और 80 अन्य अधिकारियों के वीजा रद कर दिए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया है।

विदेश विभाग के एक अधिकारी ने, जिन्होंने आमतौर पर गोपनीय रहने वाले वीजा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने शुक्रवार को खुलासा किया कि अब्बास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नए वीजा प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों में शामिल हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों को छूट दी गई है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा फिलिस्तीनियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में बिल्कुल नया है। साथ ही यह ऐसे समय में आया है जब इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। कुछ रुढ़िवादियों द्वारा सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के बाद, विदेश विभाग ने उस कार्यक्रम को भी निलंबित कर दिया, जिसके तहत गाजा से घायल फिलिस्तीनी बच्चों को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी गई थी।

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने फिलिस्तीनी अधिकारियों, जिनमें फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, के कुछ नए वीजा आवेदनों को भी अस्वीकार करने का आदेश दिया है।

बयान में कहा गया है, यह हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हित में है कि पीएलओ और पीए को अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने और शांति की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। इसमें कहा गया है कि शांति के लिए भागीदार माने जाने के

लिए, इन समूहों को अमेरिकी कानून और पीएलओ के वादे के मुताबिक, आतंकवाद का लगातार खंडन करना होगा और शिक्षा में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करना होगा।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने वीजा वापसी की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के रूप में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन बताया और विदेश विभाग से अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। इसने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति कार्यालय ने वीजा संबंधी इस फैसले पर गहरा खेद और आश्चर्य व्यक्त किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और मुख्यालय समझौते का उल्लंघन करता है। खासकर इसलिए क्योंकि फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र का एक पर्यवेक्षक सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय विदेश विभाग से स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि सभी सदस्य देशों, स्थायी पर्यवेक्षकों का प्रतिनिधित्व हो। विदेश विभाग ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी प्राधिकरण मिशन में नियुक्त प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी मेजबान देश समझौते के तहत छूट दी जाएगी, ताकि वे न्यूयॉर्क स्थित अपने अभियान जारी रख सकें। ट्रंप प्रशासन ने उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई की है जिनके पास अमेरिका आने की कानूनी अनुमति है, और कई बार रद्द किए गए वीजा के बारे में कभी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी जारी करने के मानकों में ढील दी गई है, ताकि सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी जा सके। उदाहरण के लिए, विदेश विभाग के दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जब अमेरिका ने ब्रिटिश पंक-रैप जोड़ी बॉब वायलन के वीज़ा रद्द कर दिए थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भीड़ को इजराइली सेना के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया था। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी। साथ ही उनसे महासभा को संबोधित करने की उम्मीद की जा रही थी।

हॉकी एशिया कप 2025 : भारत ने हॉकी एशिया कप के पूल मैच में जापान को हराया

राजगीर (बिहार) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एशिया कप 2025 के ग्रुप ए के दूसरे मैच में जापान को 3-2 हरा दिया है। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है और दो मैचों में छह अंकों के साथ वह पूल ए में शीर्ष पर है। इस जीत के साथ उसने टूर्नामेंट में सुपर 4 चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है।

आज यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष हॉकी रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत के लिए मनदीप सिंह (चौथे मिनट में), हरमनप्रीत सिंह (5वें और 46वें मिनट में) ने गोल दागे। वहीं, 18वें स्थान पर मौजूद जापान के लिए कावाबे कोसेई ने दो गोल (38वें और 59वें मिनट) किए। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपना दबदबा बनाए।

पहले क्वार्टर में भारत ने दो गोल दागे। मैच के चौथे मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मेजबान टीम ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौके को भुनाते हुए ड्रैगफ्लिक के साथ पीसी को गोल में तब्दील किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, जापान ने भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरा क्वार्टर गोल रहित रहा। दोनो टीमों ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। जापान ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए थे। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने अपनी 2-0 की बढ़त को कायम रखा।

तीसरे क्वार्टर में जापान ने गोल के साथ मैच में वापसी की। जापान के लिए कावाबे कोसेई ने 38वें मिनट पर फील्ड गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। इस क्वार्टर में भारत ने अटैक करना जारी रखा और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे हरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा। जापान ने लगातार मौके बनाए और मैच खत्म होने से पहले कावाबे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। लेकिन मैच जीतने में कामयाब नहीं हो सके। भारतीय हॉकी टीम अपना अगला मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ खिलाफ सितंबर को खेलेगी।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी! इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डुप्लेसिस : फाफ डुप्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स : दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी IPL 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

ब्रेंडन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 10 हजार रन पूरे करने वाले जिम्बाब्वे के तीसरे बल्लेबाज बने

हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा छूने वाले अपनी टीम के तीसरे खिलाड़ी बन गए, जो देश के क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा क्षण था। ब्रेंडन ने यह उपलब्धि हरारे में श्रीलंका के खिलाफ अपनी टीम के दूसरे वनडे के दौरान हासिल की। ??पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद टेलर ने 37 गेंदों में बिना किसी चौके या छक्के के 20 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की।

अब 287 मैचों में उन्होंने 320 पारियों में 33.92 की औसत से 10,009 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 57 अर्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। ब्रेंडन अब दिग्गज एंडी फ्लावर (276 मैचों में 16 शतकों के साथ 40.63 की औसत से 11,580 रन) और ग्रांट फ्लावर (288 मैचों में 32.03 की औसत से 12 शतकों के साथ 10,028 रन) के साथ 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन क्लब का हिस्सा हैं।

ब्रेंडन ने टेस्ट में 35 टेस्ट और 70 पारियों में 35.92 की औसत से 2,371 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 12 अर्द्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में जिम्बाब्वे के लिए चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में ब्रेंडन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 35.28 की औसत से 6,704 रन बनाए हैं, जिसमें 11 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145* है। ब्रेंडन जिम्बाब्वे के लिए टी20आई में सातवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 45 मैचों और पारियों में 23.94 की औसत से 934 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्द्धशतक और 75* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा, क्वालीफिकेशन के बावजूद तीन खिलाड़ी चूके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की। देश के इतिहास में पहली बार भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी शामिल हैं।

पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालीफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया पांच महिलाएं भी शामिल हैं। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया।

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं। एशियाई चैंपियन होने के कारण कट हासिल करने वाली हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा भी कोहनी की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं जैसा कि पीटीआई ने पहले बताया था।

तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने स्वतः पात्रता सीमा हासिल करके क्वालीफाई किया लेकिन जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। एएफआई के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा, 'साबले, अक्षदीप और नंदिनी टीम में नहीं हैं क्योंकि वे चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।'

गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। तोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 एथलीटों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है।

शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके। इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में दोनो भूमिका भी निभा सकता है हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो बात किससे हुई थी।

अय्यर की नेतृत्व क्षमता ही बनी उनके लिए मुसीबत : पनेसर

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर देश विदेश के कई क्रिकेटरों ने हैरानी जतायी थी। इन सभी का मानना है कि श्रेयस की जानबूझकर उपेक्षा की गयी है और इसका नुकसान भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का कहना है कि श्रेयस की इसलिए उपेक्षा की गयी है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है और यहीं उनके चयन में बाधा बन रही है। पनेसर के इस तंज से एक नई बहस शुरु हो सकती है। पनेसर का कहना है कि श्रेयस की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता। वहीं पंजाब किंग्स को उन्होंने आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट में भी कप्तानी का लंबा अनुभव है। पनेसर ने कहा, 'अय्यर को भारतीय टीम में जगह बनाने में शायद इसलिए दिक्कत हो रही है। चयनकर्ताओं ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते हैं जिससे कोच गौतम गंभीर के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो। इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल में कप्तान होने के नाते उनके लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है।ऋ उन्होंने आगे कहा, ऋलेकिन मेरा मानना ??है कि अगर वह रन बनाते रहे, तो उन्हें अवसर मिलेगा ही। उनमें अविश्वसनीय प्रतिभा है।'

विश्व चैंपियनशिप: सात्विक-चिराग ने कांस्य पदक के साथ अभियान का किया समापन

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया।

भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली। लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के ज़बरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

आयुष बडोनी का दोहरा शतक, उत्तर क्षेत्र दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु। आयुष बडोनी के नाबाद दोहरे शतक की मदद से उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के चौथे और आखिरी दिन रविवार को यहां पूर्व क्षेत्र को वापसी करने का मौका नहीं दिया और पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहली पारी में 183 रन की बढ़त लेने वाली उत्तर क्षेत्र की टीम ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 388 रन से आगे से की। टीम ने चार विकेट पर 658 रन पर पारी घोषित की तब उसकी बढ़त 833 रन की हो चुकी थी और दोनों कप्तानों ने मैच को ड्रॉ समाप्त करने पर सहमति जता दी। बडोनी 223 गेंद पर 204 रन पर नाबाद रहे जबकि कन्हैया वधावन 23 रन बनाकर नाबाद रहे। बडोनी ने उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजी जारी रखने के फैसले का पूरा फायदा उठाते हुए प्रथम श्रेणी करियर का दूसर दोहरा शतक पूरा किया। बीते दिन 56 रन पर नाबाद रहे दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 93 रन के स्कोर पर छक्का जड़ा और फिर एक रन चुरा कर 123 गेंद में अपना शतक पूरा किया। कप्तान अंकित शर्मा दो रन से दोहरा शतक पूरा करने से चूक गये। दिन की शुरुआत 168 रन से करने वाले अंकित 198 रन बनाकर तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद को मिड ऑन पर सूरज जायसवाल के हाथों में खेल गए। उन्होंने आउट होने से पहले बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इस विकेट के बाद भी पूर्व क्षेत्र के गेंदबाजों को राहत नहीं मिली। क्रीज पर आए निशांत सिंधू (91 गेंद में 68 रन) ने बडोनी के साथ 157 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 600 के पार पहुंचा दिया। टीम ने बडोनी का दोहरा शतक पूरा होने के बाद पारी घोषित कर दी। बडोनी ने 13 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि सिंधू ने दो चौके और पांच छक्के लगाये। पहली पारी में हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने वाले उत्तर क्षेत्र के गेंदबाज आकिब नबी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच ड्रॉ के बाद उत्तर क्षेत्र के कप्तान अंकित ने कहा, 'अगर हम चाहते तो परिणाम के लिए जा सकते थे। पहली पारी में बढ़त के कारण हमने कोशिश नहीं की। हम अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को भी (एशिया कप से पहले) जितना हो सके उतना तरोताजा रखना चाहते थे।'

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे : पठान

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, 'कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा।' 'जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।'

आप टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाते थे, पीएम मोदी ने की पुजारा की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सराहना करते हुए लिखा कि उनकी दृढ़ खेल शैली टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाती थी। पुजारा ने पिछले रविवार को अपने 103 टेस्ट मैच के शानदार करियर का अंत करते हुए संन्यास की घोषणा की थी।

मोदी ने पुजारा को एक पत्र में लिखा, 'क्रिकेट के छोटे प्रारूपों के प्रभुत्व वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपके अडिग धैर्य और लंबे समय तक एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बनाया।' भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने पत्र की प्रति सोशल मीडिया पर पोस्ट की और प्रधानमंत्री को उनके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 और 2021 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो श्रृंखला जीतने के दौरान पुजारा की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए लिखा, 'आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है, विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जैसे मौकों को हमेशा याद रखेंगे जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतने की नींव रखी थी!' मोदी ने लिखा, 'सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब होता है।' मोदी ने घरेलू क्रिकेट के प्रति पुजारा की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''खेल के प्रति आपका जुनून इस बात से भी झलकता है कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के बावजूद आपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना जरूरी समझा, चाहे वह सौराष्ट्र के लिए हो या विदेश में।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'सौराष्ट्र क्रिकेट के साथ आपका लंबा जुड़ाव और राजकोट को क्रिकेट के नक्शे पर लाने में आपका योगदान इस क्षेत्र के हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत रहेगा।% पुजारा ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, 'मैं अपने संन्यास पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं। अपनी दूसरी पारी में कदम रखते हुए मैं मैदान पर बिताई हर याद और मुझे मिले प्यार और प्रशंसा को संजोकर रखूंगा। धन्यवाद सर।'

पाक ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मैच में यूएई को हराया

दुबई। सलमान आगा की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां जारी त्रिकोणीय सीरीज का दूसरा मैच भी जीत लिया है। पाक टीम ने पहले ही मैच में अफगानिस्तान को हराने के बाद अपने दूसरे मैच में मेजबान यूएई को भी हरा दिया। पाक टीम ने साइम अयूब और हसन नवाज के अर्धशतक से यूएई के खिलाफ 207 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम यूएई को 176 रनों पर ही आउअ कर 37 रनों से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद फखर जमां भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना पाए। ऐसे में सईम अयूब ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली। उन्होंने 38 गेंदों में चार छक्के और सात चौके लगाकर 69 रन बनाये। अयूब का हसन नवाज ने भी साथ दिया। हसन ने 26 गेंदों में ही 56 रन बनाये। उन्होंने 2 चौके लगाये और छह छक्के मारे. दोनों पे 25 गेंदों पर 57 रन बनाये। वहीं मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ ने निचले अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 207 रनों तक पहुंचाया।

अमेरिकी टैरिफ से होने वाले नुकसान को लेकर केंद्र सरकार हुई सतर्क

-निर्यातकों के लिए छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने शुरु की योजना

नई दिल्ली।

अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके जवाब में भारत ने तुरंत राहत उपाय शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मकसद निर्यातकों को नकदी की कमी से बचाना, उत्पादन को बनाए रखना और नौकरियों को सुरक्षित रखना है। इसके अलावा विशेष आर्थिक क्षेत्रों में छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने की योजना है। अमेरिका ने 7 अगस्त से 25 फीसदी और 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि यह कदम भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर उठाया गया है। इससे भारत के करीब 49 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। यह भारत के अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात का 55 फीसदी से ज्यादा है। खासकर कालीन (60 फीसदी), टेक्सटाइल (50 फीसदी), रत्न और आभूषण (30 फीसदी) और परिधान (40 फीसदी) जैसे क्षेत्रों पर ज्यादा असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्यातकों को ऑर्डर रद्द होने, भुगतान में देरी और नकदी की कमी का डर सता रहा है। सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं तैयार की हैं। छोटे और मझोले उद्यमों को खास ध्यान दिया जा रहा है। इनके लिए ब्याज सब्सिडी, फैक्टरिंग, कोलैटरल सपोर्ट, निर्यात नियमों में मदद, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सहायता दी जाएगी। साथ ही गोदाम सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। सेज यूनिट्स में ऑर्डर घटने की आशंका है।

सरकार इन इकाइयों को विशेष छूट देगी। जीएसटी में टैक्स स्लैब कम करने और ज्यादा सामान को कम टैक्स ब्रैकेट में लाने की योजना है। इससे घरेलू मांग बढ़ेगी, जो निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार देगी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात पर पूरी तरह निर्भर नहीं है। यह मुख्य रूप से घरेलू मांग पर टिकी है। वित्त वर्ष 2025 में 438 अरब डॉलर का माल निर्यात हुआ, जो जीडीपी का 10.4 फीसदी है। कुछ क्षेत्रों में कीमत में बढ़ोतरी सीमित है।

अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित

नई दिल्ली ।

डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी प्रकार की डाक सेवाओं को निलंबित किया है, जिसमें 100 डालर तक के पत्र, दस्तावेज और उपहार भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिका में डाक के परिवहन में आने वाली दिक्कतों और नियामक तंत्र की अनिश्चितता के कारण उठाया गया है। अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसमें 800 डालर तक के सामान पर मिलने वाली शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट को खत्म किया है। इसका मतलब है कि अब भारत से अमेरिका जाने वाले सभी डाक सामान पर, चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो, सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगेगा। यह शुल्क इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (आईईईईपीए) के तहत लगाया जाएगा।अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने 15 अगस्त 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि शुल्क कैसे इकट्ठा किया जाएगा और कौन सी परिवहन कंपनियाँ इसके लिए योग्य होंगी। इस अनिश्चितता के कारण, अमेरिका जाने वाली हवाई परिवहन कंपनियों ने 25 अगस्त 2025 के बाद डाक स्वीकार करने से मना कर दिया है क्योंकि उनके पास इसके लिए ज़रूरी तकनीकी और परिचालन व्यवस्था नहीं है। इस निलंबन से भारतीय निर्यातकों पर असर पड़ने की उम्मीद है, खासकर वे जो ई-कॉमर्स के माध्यम से छोटे सामान जैसे कपड़े, रत्न, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईआरओ) के महानिदेशक अजय सहाय के अनुसार, इस बदलाव के कारण व्यापार में लगभग एक महीने तक समस्या रह सकती है।

आईओसी अगले पांच सालों में व्यापार बढ़ाने 1.66 लाख करोड़ का करेगी निवेश

कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के लक्ष्य पर भी कर रही काम

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) अगले पांच सालों में व्यापार को बढ़ाने के लिए 1.66 लाख करोड़ का निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने बताया कि यह निवेश तेल शोधन, ईंधन विपणन, पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

वार्षिक शेयरधारक बैठक में उन्होंने कहा कि कंपनी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलने की क्षमता को मौजूदा 8.07 करोड़ टन हर साल से बढ़ाकर 2028 तक 9.84 करोड़ टन करने की योजना बना रही है। इसके लिए पानीपत, गुजरात और बरौनी में बड़े विस्तार किए जाएंगे। आईओसी देश का सबसे बड़ा पाइपलाइन नेटवर्क भी संचालित करती है। इसे 22 हजार किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा ताकि ऊर्जा को तेजी से और आसानी से पहुंचाया जा सके। इस विस्तार में नेपाल तक पाइपलाइन बिछाने और नए स्टोरेज केंद्र बनाना भी शामिल है।

कंपनी पेट्रोकेमिकल्स को भी एक बड़ा विकास क्षेत्र मानती है। इसकी क्षमता को 2030 तक 43 लाख टन से बढ़ाकर 1.3 करोड़ टन किया जाएगा। इसका मकसद खास तरह के रसायन बनाने पर होगा ताकि हमें इन्हें विदेश से कम मंगाना पड़े। आईओसी अपने 40 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप के नेटवर्क को भी बढ़ाएगी। इन पंपों पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जर, बैटरी बदलने के स्टेशन और सीएनजी और एलएनजी बेचने की सुविधा भी होगी। कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के अपने लक्ष्य पर भी काम कर रही है। इसके लिए 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

आईओसी ग्रीन हाइड्रोजन और हवाई जहाजों के लिए खास ईंधन (एसएएफ) बनाने पर भी काम कर रही है। अगले तीन सालों में कंपनी अपनी नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को एक गीगावाट से 18 गीगावाट तक बढ़ाएगी। साहनी ने कहा कि कंपनी ने अगले पांच सालों में करीब 1.66 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत मुख्य ध्यान पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा पर रहेगा।

2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा इस सप्ताह

मुंबई ।

इस हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इसमें से एक कंपनी के शेयरों 50 रुपये से भी कम का है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 1 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शुक्रवार को मार्केट के बंद होते समय स्टॉक 413.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल से पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक करीब 14 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 759.55 रुपये और 52 वीक लो लेवल 295.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 576.54 करोड़ रुपये का है।

ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड का मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर स्मॉल कैप स्टॉक का भाव 31.38 रुपये के लेवल पर था। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 221 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 368 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सो में होगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने 2 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को यह स्टॉक एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगा। बता दें, कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 33.32 रुपये और 52 वीक लो लेवल 5.62 रुपये है।

2027 के बजट की तैयारी शुरु, 9 अक्टूबर से होंगी प्री-बजट की बैठकें

–सभी मंत्रालय व विभाग लेंगे भाग, खर्च, आय और गैर–कर राजस्व पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 का बजट की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को मंत्रालय ने इसको लेकर एक सर्कुलर जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि प्री-बजट की बैठक 9 अक्टूबर से शुरू होंगी। ये बैठक नवंबर के मध्य तक चलेंगी। इन बैठकों में सभी मंत्रालय और विभाग हिस्सा लेंगे। यहां खर्च, आय और गैर-कर राजस्व पर चर्चा की जाएगी। गैर-कर राजस्व में यूजर चार्ज और विभागों की बिजनेस यूनिट से होने वाली कमाई शामिल है। इन बैठकों में सकल खर्च और शुद्ध खर्च का भी हिसाब किया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने अगले वित्त वर्ष के बजट अनुमान जमा करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सभी मंत्रालयों से स्वायत्त संस्थाओं और खास कोष के लिए बनाई गई एजेंसियों का पूरा विवरण मांगा है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि इन्हें जारी रखने की जरूरत क्यों है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि खर्च की सीमा सरकार की प्राथमिकताओं और आय के अनुमान को देखते हुए तय की जाएगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर 2026 के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान में, या वित्त वर्ष 2027 के आरई और बीई में 10 फीसदी से ज्यादा का फर्क आता है, तो उसका सही कारण देना होगा। सर्कुलर में साफ लिखा है ÷कम जरूरत÷ या ÷ज्यादा जरूरत÷ जैसी अस्पष्ट वजह मान्य नहीं होंगी। सभी मंत्रालयों को अपने बजट अनुमान समय पर और पूरी सटीकता के साथ जमा करने होंगे। ये अनुमान दिसंबर 2025 के आखिर तक या जनवरी 2026 की शुरुआत तक यूनियन बजट सूचना प्रणाली में दर्ज किए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह सब समय पर होना चाहिए ताकि बजट प्रक्रिया बिना देरी के पूरी हो सके।

भारत में अप्रैल से जून तक 10.12 लाख यात्री वाहन की बिक्री हुई

-महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक व हरियाणा

नई दिल्ली।

उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 10 लाख से ज्यादा यात्री वाहन बेचे गए, जिसमें महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर है। अप्रैल से जून तक, देश में 10.12 लाख यात्री वाहन विक्रय किए गए और पश्चिमी क्षेत्र 3.21 लाख यूनिट के साथ बिक्री में सबसे ऊपर रही। सियाम द्वारा संकलित बिक्री चार्ट में जून तिमाही में महाराष्ट्र में 1.19 लाख यूनिट बिकीं। इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक और हरियाणा का नंबर आता है। उद्योग निकाय ने कहा कि इस अवधि में देश में दोपहिया वाहन खंड में 46.75 लाख यूनिट बिकीं, जबकि पश्चिमी राज्यों में बिक्री 14.19 लाख यूनिट तक पहुंच गई। यूपी दोपहिया वाहनों की बिक्री में सबसे आगे रहा, जहां कुल 8.18 लाख यूनिट बिकीं, इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान रहा।

सितंबर के पहले हफ्ते में कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को देंगी डिविडेंड का तोहफा

नई दिल्ली। सितंबर का पहला हफ्ता शेयर बाजार के निवेशकों के लिए खास होगा। कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड दरअसल कंपनी के मुनाफे का वह हिस्सा है, जिसे निवेशकों में बांटा जाता है। 1 से 6 सितंबर के बीच अलग-अलग तारीखों पर बड़ी संख्या में कंपनियां फाइनल डिविडेंड, स्पेशल डिविडेंड या फिर अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में एनटीपीसी, ओएनजीसी, ऑयल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, त्रिवेणी टरबाइन, पतंजलि फूड्स जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। वहीं अजमेरा रियल्टी, यशो इंडस्ट्रीज, मोडिसन लिमिटेड जैसी मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियां भी निवेशकों को फायदा देने जा रही हैं। इस दौरान निवेशकों को 0.10 रुपए से लेकर 35 रुपए प्रति शेयर तक का डिविडेंड मिलेगा। इसी हफ्ते इन कंपनियों की रिकॉर्ड डेट भी तय की गई है यानी अगर आप एक्स-डेट से पहले इन कंपनियों के शेयर रखते हैं तो आप डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। सितंबर की शुरुआत निवेशकों के लिए सिर्फ अतिरिक्त कमाई का अवसर ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश में भरोसा बनाए रखने का सुनहरा मौका भी होगा।

अमेरिकी टैरिफ से निटपने केंद्र और उद्योग संगठनों ने रणनीति बनाने तेज की प्रक्रिया

-सीईए ने कहा-मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत मदद देना

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि अमेरिका के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद केंद्र सरकार, निजी क्षेत्र और अन्य स्टेकहोल्डर्स मिलकर प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को सहारा देने के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिया है, जिसके बाद सरकार ने तात्कालिक रणनीति तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। नागेश्वरन ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ दिनों से सरकार की ओर से निर्यातकों, उद्योग संगठनों और निजी क्षेत्र की एजेंसियों के साथ चर्चा चल रही है। उनका कहना है कि मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत सहायता देना है ताकि वे संकट से उबरकर और मजबूत हो सकें। हालांकि उन्होंने विस्तृत योजना का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक चुनौतियों के बीच ताजा जीडीपी आंकड़े सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जबकि नाममात्र जीडीपी 8.8 फीसदी बढ़ी। यह अनुमानित 8-8.2 फीसदी से ज्यादा है और करीब 9 फीसदी तक पहुंचना एक उपलब्धि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे संकट अक्सर समाज और अर्थव्यवस्था के सभी वर्गों को एकजुट करने और तेजी से कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में देर से उठाए जाते हैं।

भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में गिरावट

मुंबई । बीते सप्ताह भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में करीब 2,24,630 करोड़ की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक प्रभावित रहीं। यह गिरावट शेयर बाजार में मंदी के संकेत दिख रही है। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स पिछले सप्ताह 1,497.2 अंक (1.84 प्रतिशत) गिर गया। टॉप-10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का मार्केट वैल्यू कम हुआ, जबकि टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 70,707 करोड़ घटकर 18,36,424 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 47,482 करोड़ घटकर 14,60,864 करोड़ पर आ गया।

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली ।

वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन–देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने श्पेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो श्पीटीएचडीएफसी, श्पीटीएक्सिस, श्पीटीयस या श्पीटीएसबीआई से बदलना होगा।पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है

टैरिफ के चलते इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट

-पहली तिमाही की जीडीपी चुनौतियों से निपटने में बन सकती है सुरक्षा कवच

मुंबई।

अमेरिकी टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के दबाव के कारण बाजारों में शुरुआती आशावाद कम होने से इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स 2.2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, आईटी, रियल्टी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली साफ देखी गई, जिनमें 0.5 फीसदी से 1.5 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके विपरीत, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया और एफएमसीजी शेयरों में 0.4 फीसदी से 1 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में क्रमशः 0.57 फीसदी और 0.39 फीसदी की गिरावट आई। प्रस्तावित जीएसटी रेशनलाइजेशन, अनुकूल मानसून आउटलुक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी और सितंबर में फेड दरों में संभावित कटौती जैसे वैश्विक कारकों के कारण इस सप्ताह बाजार सकारात्मक रूप से खुले। अमेरिकी टैरिफ की समय सीमा से पहले सतर्कता बरती गई, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई और तीन सत्रों तक बाजार लाल निशान पर रहा। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर बाद में लगाए गए टैरिफ ने विश्वास को कम किया, जिससे सभी क्षेत्रों में मुनाफावसूली को बढ़ावा मिला। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख ने कहा कि बड़े शेयरों में गिरावट आई, जबकि मध्यम और छोटे शेयरों में बढ़े हुए मूल्यांकन और बढ़ी हुई अनिश्चितता के कारण भारी गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा सरकारी खर्च और नीतिगत उपायों से प्रेरित भारत का पहली तिमाही का मजबूत जीडीपी आंकड़ा बाहरी चुनौतियों से निपटने में एक सुरक्षा कवच प्रदान कर सकता है, हालांकि राजकोषीय चिंताएं बनी हुई हैं।

टैरिफ विवादों के समाधान से मार्केट सेंटीमेंट को बढ़ावा मिल सकता है, लेकिन 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ निकट से मध्यम अवधि तक प्रभावी रहने की संभावना है।

जिन क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है उनमें कपड़ा, उपकरण निर्माता, धातु, ऑटो और समुद्री खाद्य शामिल हैं। आईटी और फार्मा क्षेत्र में सेंटीमेंट पर दबाव देखने को मिल सकता है, हालांकि टैरिफ का उन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2025 तिमाही में उम्मीदों से बेहतर 7.8 फीसदी की रियल जीडीपी वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की। निकट भविष्य में बाजारों में मिश्रित रुझान की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि उपभोग और घरेलू विकास पर केंद्रित क्षेत्रों, जैसे कि एफएमसीजी, ड्यूरेबल्स, विवेकाधीन वस्तुएं, सीमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को जीएसटी में कटौती, मजबूत मांग और सरकारी खर्च में वृद्धि से लाभ होने की संभावना है।

मोदी सरकार को पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन की सलाह, ऐसा करने से हमारे निर्यातकों का नुकसान कम होगा

नई दिल्ली ।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सुझाव दिया है कि मोदी सरकार को उन तेल रिफाइनर कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाना चाहिए, जिन्हें रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर बड़ा मुनाफा हो रहा है। पूर्व आरबीआई गर्वनर कहना है कि इस टैक्स से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल भारतीय एक्सपोर्टर्स (निर्यातकों) को मदद देने में हो सकता है, क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने भारत पर भारी टैरिफ लगाए हैं, जिससे हमारे निर्यातकों को नुकसान हो रहा हैं।

पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ के कारण भारत के कई उद्योगों, खासकर छोटे और मझौले एक्सपोर्टर्स, पर दबाव बढ़ गया है और उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ा है। राजन का मानना है कि यह कदम दोहरा फायदा देगा। एक ओर केंद्र सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा और दूसरी ओर निर्यातकों को राहत मिल सकेगी। इससे भारत की निर्यात क्षमता को सहारा मिलेगा और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। राजन ने विंडफॉल टैक्स पर अपने विचार व्यक्त किए। वे कहते हैं, क्या वे अब भी अतिरिक्त मुनाफा कमा रहे हैं? क्या हमें उस मुनाफे में से कुछ लेकर उन निर्यातकों को फायदा पहुंचाना चाहिए जो रूस से तेल खरीदने से नुकसान उठा रहे हैं। वे कहते हैं, क्यों न हम अपने रिफाइनरों पर उनके द्वारा खरीदे गए रूसी तेल के अनुपात में विंडफॉल टैक्स लगाएं और उसे अपने छोटे और मध्यम निर्यातकों को हस्तांतरित करें? इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत में जो लोग रूसी तेल से लाभान्वित होते हैं, वे भी इसका भुगतान करें, न कि दूसरों को भुगतान करने दें।

बात दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड के नेतृत्व वाली भारतीय रिफाइनर कंपनियां सितंबर में रूस से तेल खरीद में 10-20 प्रतिशत या प्रतिदिन 150,000-300,000 बैरल की वृद्धि कर सकती हैं, रिपोर्ट में बताया गया हैं कि रूस अधिक कच्चा तेल बेचने के लिए कीमतों में कटौती कर सकता है क्योंकि वे यूक्रेन के ड्रोन हमलों से क्षतिग्रस्त हुई रिफाइनरियों में उतना तेल संसाधित नहीं कर सकते। भारत के बिना, रूस को अपने निर्यात को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने में कठिनाई होगी। इससे तेल निर्यात राजस्व में कमी आएगी, जिससे क्रेमलिन के बजट और यूक्रेन में रूस के जारी युद्ध का वित्तपोषण होता है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

अर्थशास्त्री बोले- ऐसी तिमाही को टैरिफ तिमाही कहना उचित होगा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी। इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है।

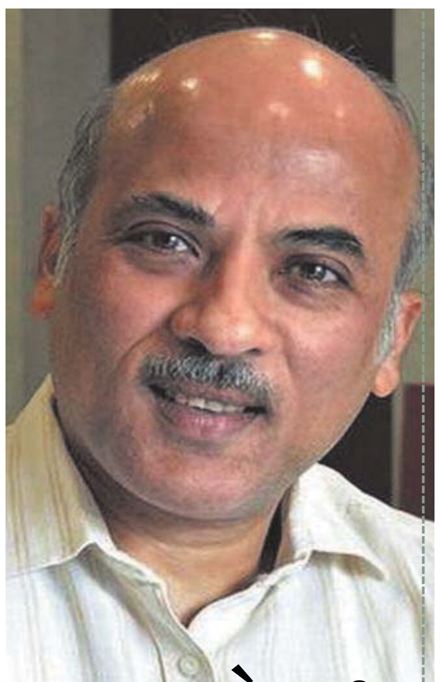

सलमान के साथ एक्शन फिल्म करना चाहते थे सूरज बड़जात्या

फिल्म डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने कहा है कि सुपरस्टार सलमान खान के लिए ऐसा काम करना जो आज के समय में रिलेवेंट और नया लगे, हमेशा एक बड़ी चुनौती रहती है। बड़जात्या सलमान के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की तैयारी में थे, लेकिन उन्होंने यह आइडिया छोड़ दिया क्योंकि वह सलमान के लिए सही कैरेक्टर नहीं बना पाए।
बड़जात्या ने कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आगे नहीं बढ़ा पाते। कभी क्लाइमैक्स नहीं मिलता, कभी कैरेक्टर नहीं बनता। जब तक सब चीजें साथ नहीं आतीं, फिल्म बनाना समझदारी नहीं है। मैंने अब तक सात फिल्में बनाई हैं। मेरा यही फैसला है कि जब तक खुद को यकीन न हो, फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई मेरे साथ हैं। आज उनकी उम्र में उनके लिए कुछ नया और रिलेवेंट बनाना और बड़ी चुनौती है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है।

सलमान की बहुत बड़ी वापसी होगी

सलमान खान के करियर को तीन दशक से ज्यादा हो गए हैं। वह लगातार ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही कुछ सालों में उनकी सिकंदर, किसी का भाई किसी की जान, राधे, और रेस 3 उस तरह खास प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इसके बावजूद बड़जात्या सलमान के करियर को लेकर पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा,यह सबकी जिंदगी में होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन हर किसी को गलती करने और सीखने का मौका मिलना चाहिए। हमें एक-दूसरे को आगे बढ़ने देना चाहिए। सलमान बहुत अच्छे इंसान हैं और काफी मजबूत भी हैं। वह बहुत बड़ा कमबैक करेंगे। इस समय दोनों अपने-अपने नए प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। सूरज बड़जात्या एक फैमिली ड्रामा पर काम शुरू करने वाले हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आएंगे। वहीं, सलमान खान ने फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू कर दी है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर ओ मामा! टेटेमा कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं — उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया — संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव — जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है।
इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया- दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। ओ मामा! टेटेमा स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा। मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है — ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं।
जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए — उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

अजुल को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आए गुरु रंधावा

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजुल' को लेकर इन दिनों विवादों में हैं। एक तरफ जहां गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गया, वहीं अब सोशल मीडिया पर इसके कंटेंट को लेकर एक बड़ा वर्ग आपत्ति जता रहा है। आरोप है कि म्यूजिक वीडियो में स्कूल गर्ल्स की छवि के साथ खिलवाड़ किया गया है और उनकी तुलना शराब ब्रांड्स से की गई है। इसी के लिए अब सिंगर को लोगों की तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

गाने को कंटेंट को लेकर उठे सवाल

'अजुल' में गुरु रंधावा एक फोटोग्राफर बने हैं, जो एक गर्ल्स स्कूल में क्लास फोटो खींचने पहुंचते हैं। यूजर्स की मानें तो जहां गाने में मासूमियत और सादगी दिखाई जानी चाहिए थी, वहां उन्हें अश्लीलता और भड़काऊ विजुअल्स दिखाई दिए। वीडियो में दिख रही सभी महिलाएं व्यस्क हैं, लेकिन उन्हें स्कूल की लड़कियों के रूप में दिखाया गया है। यही बात दर्शकों को खटक गई और आरोप लगा कि इस तरह के सीन युवाओं पर गलत असर डाल सकते हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर आए सिंगर

सोशल मीडिया पर 'अजुल' को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, अजुल का वायरल होना अजीब है, जबकि लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि गुरु रंधावा ने स्कूली लड़कियों की तुलना शराब से की। पीडोफिलिया को बढ़ावा देना सिर्फ अजीब बात नहीं, बल्कि घिनौना है। फिर भी, वह दूसरों को नीचा दिखाते हुए खुद बहुत ऊंचे और ताकतवर बन जाते हैं। वहीं एक और यूजर ने सिंगर की क्लास लगा दी। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा, ये देखकर हैरानी हुई कि 2025 में भी लोग सोशल मीडिया के प्रभाव को गंभीरता से नहीं लेते। बच्चे इसे देखकर क्या सोचेंगे? कितनी आसानी से पीडोफाइल बर्ताव को नॉर्मल बनाया जा रहा है।

गुरु रंधावा ने साधी चुप्पी

गाने के ट्रेंडिंग में आने पर जहां सिंगर ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया वहीं उन्होंने इस मामले को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है। इन आरोपों पर उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सोनाक्षी सिन्हा की 'जटाधरा' में हुई इस एक्ट्रेस की एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की मच अवेटेड फिल्म 'जटाधरा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टीजर सामने आने के बाद इसको लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई थी। अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें फिल्म में एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है।
मेकर्स ने फिल्म 'जटाधरा' से अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का लुक जारी कर दिया है। फिल्म में शिल्पा का स्वागत करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के बारे में भी जानकारी दी है। शिल्पा फिल्म में शोभा नाम का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार में बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया कि 'वह सिर्फ लालच से प्रेरित नहीं है, बल्कि वह उसे परिभाषित भी करती है।' मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में शिल्पा काली साड़ी पहने हवन कुंड में जलती हुई आग के पास बैठी हैं। इस दौरान वो आग की ओर चीखते हुए जीभ निकाले हुए हैं। उनके आस-पास कई सारे कंकालों की खोपड़ी भी नजर आ रही है। साथ ही पीछे कई दीए जल रहे हैं। उनके लुक को देखकर ऐसा लगता है कि वो कोई तंत्र या पूजा वगैरह कर रही है।

क्या कावेरी कपूर को भारत के सबसे मुश्किल रियलिटी शो के लिए किया गया है अप्रोच?

उभरती स्टार, बहुप्रतिभाशाली कावेरी कपूर को कथित तौर पर एक ऐसे रियलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है जिसे हाल के टेलीविज़न इतिहास के सबसे मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रियलिटी शोज़ में से एक माना जा रहा है। शो की थीम के अनुसार प्रतिभागियों को ऐसे पावर डायनामिक्स और सामाजिक समीकरणों से गुजरना होगा, जहाँ उनके प्रभाव और स्थिति लगातार उनके फैसलों और रिश्तों के आधार पर बदलते रहेंगे। जिससे एक ऐसा माहौल बनता है जो भाग लेने के लिए पर्याप्त साहसी लोगों के लिए रोमांचक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला दोनों हो सकता है।
कावेरी, जो अपने करियर को बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ा रही हैं, उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है — जहाँ वह अपनी पर्सनालिटी, मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को देश के सामने रख सकती हैं। हालांकि, कावेरी या उनकी टीम से संपर्क करने की कोशिशें अब तक बेनतीजा रही हैं। इस शो की प्रतिष्ठा ही ऐसी है कि इसे कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं कहा जाता है — ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कावेरी इसमें हिस्सा लेने के लिए हाँ कहती हैं या नहीं। कावेरी, जो पहले ही अपनी कविताओं, गीत लेखन, संगीत, और बॉलीवुड डेब्यू 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' के ज़रिए पहचान बना चुकी हैं, इस रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखकर एक नया मोड़ ले सकती हैं। हालांकि यह उनके लिए एक अनदेखा और अनजाना सफर होगा, लेकिन उनकी मौजूदगी यकीनन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इसके साथ ही उनके पास 'मासूम 2' जैसी फिल्म भी है, जिससे ये साफ है कि कावेरी की झोली में कई बड़ी संभावनाएँ हैं। दर्शक बेसब्री से यह जानने का इंतज़ार कर रहे हैं कि कावेरी अगला कदम क्या उठाएंगी।

मराठी आना फायदेमंद है, मगर इसके लिए हिंसा का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए

इंस्टाग्राम पर अपने कॉमिक कॉन्टेंट के कारण कास्टिंग डायरेक्टर की निगाह में आए कॉन्टेंट क्रिएटर आदित्य ठाकरे को पहली बार के ऑडिशन में ही धड़क 2 जैसी फिल्म में अहम भूमिका मिल गई। मुंबईचा मुलगा आदित्य यहां अपने सफर पर बात करते हैं।

पिता का सपना पूरा किया

कॉन्टेंट क्रिएटर से एक्टर बनने के सफर के बारे में वे कहते हैं, मैं खुशकिस्मत हूं कि आज के दौर में पैदा हुआ, जब आज हमारे पास सोशल मीडिया और इंटरनेट है। आप अपना मौका खुद पैदा कर सकते हैं, जैसे मैंने किया। वरना मेरे पिताजी ने भी अभिनेता के रूप में काफी संघर्ष किया। वे भी अनगिनत ऑडिशन का हिस्सा रहे, मगर उन्हें मेरी तरह मौका नहीं मिला। वे ऑफिस से हाफ डे की छुट्टी लेकर ऑडिशन के लिए जाया करते थे। आज मैंने अपने पिता का सपना पूरा किया है। आपको शायद सुनकर अजीब लगे मगर मेरे पिता मेरी फिल्म 25-30 बार देख चुके हैं, थिएटर में जाकर। मेरे लिए यह गर्व की बात है।

मुझे जातिगत भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा

जातिगत भेदभाव पर वे कहते हैं, मुझे अपनी जाति का पता ज़िंदगी में दो ही बार चला था, जब मैंने टेंथ और ट्वेल्थ का फॉर्म भरा था। मुझे लगता था कास्ट सिस्टम होता ही नहीं। मगर ये फिल्म करने के बाद मैं इन मुद्दों को जान पाया और मैं इश्यूज के प्रति और संवेदनशील हुआ हूं। हमने जब उनसे पूछा कि मुंबई में मराठी भाषा को लेकर जो दबाव बनाया जा रहा है, उसके बारे में उनका क्या कहना है? कई विडियोज में तो इसके लिए हिंसा का सहारा भी लेते हुए दिखाया गया है, तो आदित्य बोले, देखिए, जोर तो नहीं दिया जाना चाहिए। हम सभी वायलेंस के सख्त खिलाफ हैं। मगर किसी भाषा का आना आपके लिए ही फायदेमंद होता है। अगर आपको फ़्रांस जाना होता है, तो आपको वहां फ्रेंच का एग्जाम देना पड़ता है। इससे आपको काम के और मौके मिलेंगे। जो लोग महाराष्ट्र में हैं, उन्हें अगर मराठी नहीं आती, तो थोड़ी बहुत सीख लें, उन्हीं का फायदा होगा। जहां तक इस मुद्दे पर इंटरनेट पर आने वाले विडियोज की बात है, तो 30 सेकंड्स की रील पर क्या भरोसा किया जा सकता है, मगर इतना जरूर कहूंगा कि इस मामले में हिंसा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

पहले ऑडिशन में ही फिल्म मिल गई

बॉलिवुड में कई कलाकारों के लिए ऑडिशन का दौर बहुत लंबा होता है, मगर इस मामले में आदित्य ठाकरे भाग्यवान रहे। वे कहते हैं, मैं दोपहर में सो रहा था और मुझे एक ऑडिशन के लिए कॉल आया। ऑडिशन के बाद तीसरा दिन था और हम लोग गणपति विसर्जन के लिए जा रहे थे कि तभी कॉल आई कि करण जौहर के ऑफिस से बोल रहे हैं और आप चुन लिए गए हो। पहले तो मुझे लगा कि कोई प्रैंक कॉल है, मगर बाद में जब अहसास हुआ कि ये सच है, तो मैंने जोर से नारा लगाया, गणपति बप्पा मोरिया सबसे बड़ी बात ये है कि ये मेरा पहला ऑडिशन था, जो कास्टिंग डायरेक्टर उत्सव नरूला के जरिए हुआ और मैं पहले ही ऑडिशन में चुन लिया गया। फिल्म थी, धड़क और मेरा रोल था वासु का, जो फिल्म में नायक सिद्धांत चतुर्वेदी का दोस्त था। तृप्ति और सिद्धांत दोनों ने मुझे हर तरह से सपोर्ट किया।

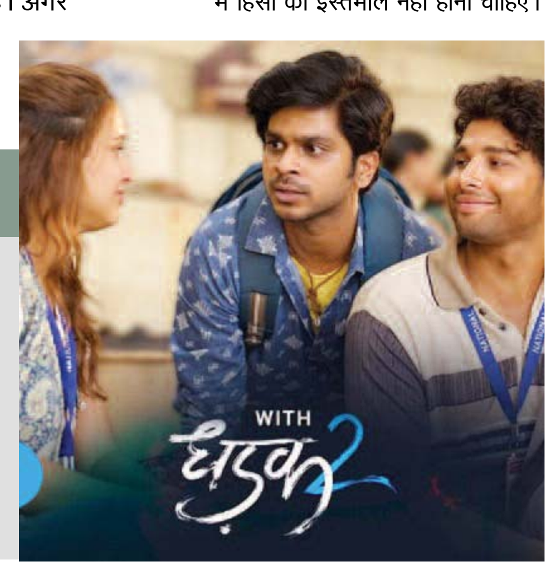

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in